दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-185 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 26 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरी,7 बच्चों की मौत

छात्रा बोली-पहले कंकड़ गिरे, लेकिन शिक्षक ने ध्यान नहीं दिया; 5 टीचर सस्पेंड

अकलेरा (झालावाड़)। राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 28 घायलों में से 9 की हालत गंभीर हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, वहीं 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ा।

प्रार्थना के लिए सभी बच्चों को इकट्ठा किया था

गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं।

गुना जिले में 175.76 करोड़ लागत से 604 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भाई दूज से लाडली बहनों को मिलेंगे 1500 रुपए

गुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार दोपहर बीनागंज में कुंभराज सिंचाई परियोजना की धन्यवाद सभा में शिरकत की। दोपहर करीब 12:30 बजे तोडरा रोड स्थित हेलीपैड पर प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट समेत अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने तिलक लगाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान सीएम ने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया और गुना के गुलाब व धनिया की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बीनागंज में गोशाला के लिए 12 लाख और स्वास्थ्य सहायता के लिए 5 लाख रुपए की घोषणा की। उन्होंने कुंभराज परियोजना से मध्य प्रदेश और राजस्थान के 13-13 जिलों को होने वाले लाभ का जिक्र किया। साथ ही लाड़ली बहना योजना के तहत दिवाली के बाद भाई दूज से 1500 रुपए देने की घोषणा की, जिसे 2028 तक बढ़ाकर 3000 रुपए किया जाएगा.

सीएम ने बीनागंज में की गोशाला और स्वास्थ्य सहायता की घोषणा

गुना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीनागंज में गोशाला के लिए 12 लाख और स्वास्थ्य सहायता के लिए 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर सिंचाई व्यवस्था की उपेक्षा का आरोप लगाया।

गुना की विविधता की सराहना की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुना की सांस्कृतिक विविधता का जिक्र करते हुए कहा कि यह जिला दो विशिष्ट क्षेत्रीय संस्कृतियों का संगम है। उन्होंने कहा एक तरफ ग्वालियर-चंबल की ठाएं-ठाएं वाली संस्कृति है, तो दूसरी तरफ मालवा की मीठी बोली का प्रभाव है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुंभराज परियोजना को लेकर कहा कि यह 13 जिलों के साथ-साथ राजस्थान के भी 13 जिलों को लाभान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार नदियों का समुचित उपयोग कर किसानों, उद्योगों और पेयजल की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग अटल जी की नदी जोड़ो परियोजना का मजाक उड़ाते थे.

भारत ने मालदीव को 4850 करोड़ रू. का कर्ज दिया

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत हुई; दोनों देशों के संबंधों पर डाक टिकट जारी

माले। पीएम मोदी आज दो दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे। यहां उनका गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। खुद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू उन्हें लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गले भी लगाया। इसके बाद मोदी और मुइज्जू ने द्विपक्षीय मीटिंग की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (कर्ज) दिया की और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात की। दोनों देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों के 60 साल पूरे पर स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ मालदीव में 6 कम्युनिटी डेवलपमेंट परियोजनाओं को शुरू किया गया। भारतीय पीएम की यह तीसरी मालदीव यात्रा है। वे राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के न्योते पर मालदीव गए हैं।

मोदी बोले- भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी

भारत-मालदीव संबंधों पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए दोस्ती हमेशा पहले आती है। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की पड़ोसी पहले नीति और महासागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है। मोदी ने कहा कि भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी, भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है।

भारत में चला था बायकॉट मालदीव कैंपेन

बीते कुछ सालों में भारत-मालदीव के रिश्ते उतार चढ़ाव भरे रहे हैं। 2023 में मुइज्जु ने इंडिया आउट नारे के साथ चुनाव जीता था, लेकिन दिसंबर 2023 में दुबई में ह कॉप-28 सम्मेलन में पीएम मोदी और मुइज्जु की मुलाकात ने रिश्तों में सुधार की शुरुआत की। दोनों नेताओं ने आर्थिक साझेदारी और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई। हालांकि, 2024 की शुरुआत में मालदीव के कुछ मंत्रियों की पीएम मोदी और लक्षद्वीप यात्रा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के बाद भारत में बायकॉट मालदीव कैंपेन शुरू हुआ।

मुइज्जू की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्ते सुधरे

2024 में रिश्तों में सुधार हुआ। अक्टूबर 2024 में मुइज्जु की भारत यात्रा के दौरान भारत ने मालदीव के लिए 750 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप डील की। इससे मालदीव को फॉरेन करेंसी की कमी से निपटने में मदद मिली।

भोपाल, जबलपुर और कटनी में सहारा जमीन घोटाले में एफआईआर

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल, जबलपुर और कटनी में सहारा जमीन घोटाले में (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) ने जांच के बाद शुक्रवार शाम को एफआईआर दर्ज कर ली है। आशुतोष मनु दीक्षित ने इसकी शिकायत की थी। तीन शहरों में सहारा की 1000 करोड़ रुपए की जमीन को मात्र 98 करोड़ रुपए में बेच दिया गया था। जमीन बेचने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया। ग्रुप ने प्रॉपर्टी बिक्री की राशि सेबी-सहारा रिफंड खाते में भी जमा नहीं कराई और करोड़ों रुपए की हेराफेरी की। सहारा की ओर से जमीनों को जबलपुर और कटनी की भूमि बिक्री के निर्णयों में कॉर्पोरेट कंट्रोल मैनेजमेंट प्रमुख सीमांतो रॉय सीधे तौर पर शामिल पाए गए। डीएमडब्ल्यू भोपाल के डीजीएम जेबी रॉय की भूमि सौदे के वित्तीय लेन-देन और निर्णयों में सक्रिय भूमिका थी। सागर भूमि सौदे के निर्णयों में सहारा के लैंड डिवीजन के प्रमुख होने के नाते डिप्टी मैनेजिंग वर्कर ओपी श्रीवास्तव शामिल पाए गए।

तेलंगाना की कंपनी ने किया ये काम

यूएस की चेतावनी के बाद भी भारत ने रूस को भेजा खतरनाक विस्फोटक एचएमएक्स

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी प्रतिबंधों की चेतावनियों के बावजूद भारत की एक कंपनी ने दिसंबर 2024 में रूस को अत्यंत खतरनाक विस्फोटक रसायन एचएमएक्स भेजा। इसे ऑक्टोजेन कहा जाता है। विस्फोटक की कुल कीमत 14 लाख डॉलर (करीब 12 करोड़ रुपये) थी। यह जानकारी भारतीय सीमा शुल्क डेटा से सामने आई है। एचएमएक्स एक बेहद शक्तिशाली विस्फोटक है, जिसका बड़े स्तर पर इस्तेमाल मिसाइलों, रॉकेट मोटरों, टॉरपीडो और युद्धक सामग्री में होता है। रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सौदे को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई है। अमेरिकी सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि एचएमएक्स जैसे रासायनिक पदार्थ रूस के युद्ध प्रयास के लिए अहम हैं और जो भी कंपनियां या वित्तीय संस्थाएं रूस को ऐसे पदार्थ उपलब्ध कराएंगी, उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। रूसी कंपनी प्रोम्सिन्टेज ने इस एचएमएक्स की सबसे बड़ी खेप खरीदी। इस कंपनी को यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू ने रूस की सेना से जुड़ा बताया है। अप्रैल 2025 में यूक्रेन ने इसी कंपनी की एक फैक्ट्री पर ड्रोन हमला किया था।

एचएमएक्स का नागरिक उपयोग भी

भारत सरकार ने इस मुद्दे पर कहा, भारत दोहरे उपयोग वाले उत्पादों का निर्यात अंतरराष्ट्रीय अप्रसार दायित्वों और कठोर कानूनी-नियामक ढांचे के तहत करता है। एक भारतीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, एचएमएक्स के कुछ सीमित नागरिक उपयोग भी हैं। हालांकि, यह अपने सैन्य उपयोग के लिए अधिक जाना जाता है।

मोदी ने बनाया रिकॉर्ड: इंदिरा को पीछे छोड़ सर्वाधिक समय तक लगातार पीएम रहने वाले दूसरे नेता बने

नई दिल्ली, एजेंसी

नरेंद्र मोदी 25 जुलाई यानी आज लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए। पीएम मोदी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अभी तक लगातार सबसे लंबे समय तक (16 वर्ष 286 दिन) प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड जवाहर लाल नेहरू के पास है। नरेंद्र मोदी 1947 यानी स्वतंत्रता के बाद पैदा हुए गैर-हिंदी राज्य के सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को अपने कार्यकाल के 4078 दिन पूरे कर लेंगे। इंदिरा गांधी 24 जनवरी, 1966 से 24 मार्च, 1977 तक लगातार 4077 दिन प्रधानमंत्री रही थीं। अगर राज्य और केंद्र में सरकार का नेतृत्व करने की बात करें तो नरेंद्र मोदी का सभी प्रधानमंत्रियों के बीच एक

आजादी के बाद पैदा हुए पहले पीएम

नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म देश की स्वतंत्रता के बाद हुआ। वह सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं। वह पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने कम से कम अपना दो पूर्ण कार्यकाल पूरा किया है। उनके नाम लगातार दो बार निर्वाचित होने वाले पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का रिकॉर्ड भी है।

विधानसभा कैम्पस में विधायकों की नारेबाजी और प्रदर्शन पर रोक

पहली बार जारी हुआ ऐसा आदेश, कांग्रेस ने कहा- विधायकों के मुंह नहीं सिल सकती सरकार

भोपाल. 28 जुलाई से शुरू हो रहे मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में विधायक विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी मंत्रियों और विधायकों को एक पत्र भेजा है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष के स्थायी आदेश 94(2) के तहत विधायकों के विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन करने पर रोक लगाई गई है। वहीं, विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि सरकार विधायकों के मुंह नहीं सिल सकती है।

जानिए विधायकों को क्या कहा गया

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बीते 10 जुलाई को सभी विधायकों को एक परिपत्र भेजा। इस परिपत्र में विधानसभा सचिवालय की ओर से विधायकों की सुरक्षा का हवाला देते हुए व्यवस्था में सहयोग करने की अपेक्षा की है। विधानसभा परिसर और दर्शक दीर्घा में प्रवेश पत्र सीमित संख्या में जारी किए जाएंगे।

दर्शक दीर्घा में दो लोगों को एक घंटे तक एंट्री

मानसून सत्र के लिए विधायकों की अनुशंसा पर दर्शक दीर्घा में सीमित व्यक्तियों को प्रवेश दिया जाएगा। विधानसभा परिसर में प्रवेश के लिए दो व्यक्तियों को ही परिसर में प्रवेश पत्र दिया जाएगा। दर्शक दीर्घा में एक घंटे के लिए प्रवेश की अनुमति होगी।

बड़ा फैसला

11 साल की बच्ची से रेप के मामले में राजस्थान सरकार की दलील को किया खारिज

53 साल का रेप का दोषी 37 साल बाद नाबालिग करार

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजस्थान के अजमेर में 37 साल पहले 11 साल की बच्ची से रेप के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। अदालत ने माना कि वारदात के वक्त दोषी नाबालिग था।

वहीं सजा के लिए मामले को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड भेज दिया। बता दें कि दोषी अब 53 साल का हो चुका है। उसे अब जेजेबी के सामने पेश होना होगा। जेजेबी दोषी को अधिकतम तीन साल के लिए स्पेशल होम भेज सकता है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने यह फैसला दिया है। राजस्थान के अजमेर जिले में 11 साल की बच्ची के साथ रेप के 37 साल बाद, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आरोपी की दोषसिद्धि बरकरार तो रखी लेकिन उसे नाबालिग घोषित कर दिया। बेंच ने 53 साल के हो चुके दोषी को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2000 में निहित प्रावधान लागू होंगे परिणामस्वरूप, निचली अदालत द्वारा दी गई और हाईकोर्ट द्वारा बरकरार रखी गई सजा को रद्द करना होगा क्योंकि यह कायम नहीं रह सकती। 2000 अधिनियम की धारा 15 और 16 के आलोक में उचित आदेश पारित करने के लिए मामला बोर्ड को भेजा जाता है। अपीलकर्ता को 15 सितंबर को बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है। बता दें कि साल 1993 में किशनगढ़ के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को धारा 376 के तहत बलात्कार का दोषी ठहराया था और 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

वह पहले ही डेढ़ साल की सजा काट चुका है। दोषी निचली अदालत के आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 में बरकरार रखा था। इससे पहले दोषी ने नाबालिग होने का मुद्दा नहीं उठाया था, लेकिन उसने जिक्र पहली बार सुप्रीम कोर्ट में किया, जब उसने दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ अपील दायर की।

अपराध के समय दोषी की उम्र 16 साल थी

उसकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर के किशनगढ़ में अधिकार क्षेत्र वाले जिला और सत्र न्यायाधीश को उसके इस दावे की जांच करने का निर्देश दिया था। जज ने जांच और दस्तावेजी साक्ष्यों पर गौर किया और कहा कि अपराध के समय वह नाबालिग था। अपराध के समय यानी 17 नवंबर, 1988 को उसकी उम्र 16 वर्ष 2 महीने और 3 दिन थी। उसकी जन्मतिथि 14 सितंबर, 1972 बताई गई।

नाबालिग होने का दावा करने का अधिकार

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ये रिपोर्ट मंजूर करते हुए पांच साल की सजा रद्द कर दी। अदालत ने कहा कि नाबालिग होने का दावा किसी भी स्तर पर उठाया जा सकता है। पीठ ने राज्य सरकार की इस दलील को खारिज कर दिया कि दोषी को सुप्रीम कोर्ट में नाबालिग होने का दावा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

राहुल बोले-

मोदी की सिर्फ शो-बाजी, उनमें दम नहीं

मैं दो-तीन बार मिला हूं, उन्हें लोगों ने सिर पर चढ़ा रखा है

नई दिल्ली। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस की ओबेसी सेल ने भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर आलोचना की।राहुल ने भाषण के दौरान पार्टी के सदस्यों से पूछा, आपको पता है, राजनीति में सबसे बड़ी प्रॉब्लम क्या है। कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया, पीएम मोदी। इस पर राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी कोई बड़ी प्रॉब्लम नहीं हैं। मैं उनसे दो-तीन बार मिल चुका हूं। उनकी सिर्फ शो-बाजी हैं। उनमें दम नहीं है। उन्हें लोगों ने सिर पर चढ़ा रखा है। राहुल ने कांग्रेस शासित राज्यों में जाति जनगणना कराने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, मेरे काम में एक कमी रह गई। मुझे ओबेसी वर्ग की जिस तरह से रक्षा करनी थी, मैंने नहीं की। 10-15 साल पहले मुझे ओबेसीके मुद्दे गहराई से नहीं समझ आए थे। अगर मुझे पता होता तो मैं उसी वक्त जातिगत जनगणना करवा देता। मोदी कहते हैं हिंदू इंडिया, जबकि 50 प्रतिशत हिंदू तो ओबेसी हैं। अगर हिंदू इंडिया है तो मीडिया और कार्पोरेट कंपनी में ओबेसी क्यों नहीं हैं?

13 साल पहले दर्ज हुए मामले का वारंटी 9 साल बाद पकड़ाया

भोपाल (नगर संवाददाता)

जीआरपी ने पिछले 13 साल से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। 13 साल पहले प्रकरण दर्ज होने पर साक्षी रहे आरक्षक ने फोटो देखने के बाद आरोपी की पहचान की। गिरफ्तारी के समय उसने नाम कुछ और था जबकि बाद में उसने आधार कार्ड दूसरे नाम से बनवाया था। जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान के नेतृत्व में टीम द्वारा फरार वारंटियों की तलाश की जा रही है। इसी बीच मुखबिर से मिली सूचना के बाद हेड कांस्टेबल राजेश शर्मा, ब्रजेश कारपेंटर और अनिल सिंह ने एक स्थाई वारंटी आमिर खान (46) निवासी आरिफ नगर भोपाल को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर वह अपना दूसरा नाम बताते हुए आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावे दिखाने लगा। थाने लाकर पूछताछ करने पर वर्ष 2012 में दर्ज एक मामले में पूछताछ करने पर उसने अपना सही नाम बता दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि तेरह साल पहले गिरफ्तारी के दौरान उसने चालू नाम और पता पुलिस को बताया था। उसके बाद से वह फरार हो गया था। अदालत में हाजिर नहीं होने के कारण उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया था। जीआरपी पिछले नौ साल से उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी के पुराने साथियों से जब पूछताछ की गई तो उसकी असल पहचान हो गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

भोपाल जीआरपी ने की कार्रवाई

15 छात्रों को गीक्स ऑफ गुरुकुल में मिला इंटर्नशिप का मौका

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय और गीक्स ऑफ गुरुकुल की साझेदारी में संचालित कोर्सेज के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 15 छात्रों को गीक्स ऑफ गुरुकुल में इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त हुआ है। इसमें गरिमा ठाकुर को डाटा एनालिस्ट, साक्षी लिकितकर को पाइथन डेवलपर, मुस्कान लाडे को पाइथन डेवलपर, सिद्धेश केवाटे को डाटा साइंटिस्ट, दिव्या मालवीय को डाटा साइंटिस्ट, आंचल लोखंडे को पाइथन डेवलपर, प्रगति गायकवाढ़ को डाटा साइंटिस्ट, वैष्णवी कौशिक को साइबर सिक्योरिटी इंटर्न, माधवी पवार को एनालिस्ट, आमोद शर्मा को जावा डेवलपर एवं लक्ष्य श्रीवास्तव को एप डेवलपर के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

दुबई में बैठकर सरगना कर रहा था करोड़ों की ठगी का कारोबार

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछले दिनों मप्र एसटीएफ ने 22 सौ करोड़ रुपए की ठगी के मामले का खुलासा किया था। अब इस मामले में पता चला है कि गिरोह का संचालन दुबई से किया जा रहा था। गिरोह का सरगना नवाव खान दुबई में बैठकर करोड़ों ठगी का कारोबार कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार 2200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में खुलासा हुआ है कि ठग गिरोह ने विदेशी मुद्रा व्यापार और हाई रिटर्न के नाम पर लोगों को झांसा दिया। मुख्य सरगना नवाब खान उर्फ रफीक खान उर्फ लविश चौधरी, जो मुजफ्फरनगर का रहने वाला है, दुबई भाग गया और वहां से हवाला के जरिए भारत में पैसे भेजकर गिरोह को संचालित कर रहा था। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद पुरानी वेबसाइट बंद होने पर ठगों ने विदेश से नई वेबसाइट बनाकर निवेशकों को लिंक भेजे। जांच में पता चला कि गिरोह ने 9 महीने में 30-32 अरब रुपये का खेल किया, जिसमें 28 बैंक खातों में रकम को शातिर तरीके से घुमाया गया ताकि ट्रेसिंग मुश्किल हो। आरोपियों ने 10 फर्जी कंपनियां बनाकर निवेश करवाया। एसटीएफ ने 145 बैंक खातों को फ्रीज कराया और 262 ट्रांजेक्शन पर होल्ड लगवाया, जिसमें 1 अरब 88 करोड़ रुपये जब्त किए गए।

2200 करोड़ की ठगी का मामला

ईडी दर्ज कर चुकी है प्रकरण

जानकारी के अनुसार ईडी ने फेमा के तहत केस दर्ज किया है, और खुलासा हुआ कि डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर क्राइम के करोड़ों रुपये भी इन्हीं खातों में ट्रांसफर किए गए। मामले का खुलासा 22 जून को मध्य प्रदेश एटीएस ने किया, जिसमें दो आरोपी, मदन मोहन कुमार और दीपक शर्मा, गिरफ्तार किए गए। ये गिरोह टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए धोखाधड़ी करता था, निवेशकों को फिक्स और हाई रिटर्न का लालच देकर जाल में फंसाता था।

शराब तस्कर पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही 15 लाख कीमत की शराब जप्त

(स्वयंभू शर्मा)

रीवा। सिरमौर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 17 जेडएम 4822 में अवैध रूप से शराब लोड कर बरदहा घाटी की तरफ जा रही है। यदि उसे जल्द ही पकड़ लिया जाए तो बड़ा खुलासा हो सकता है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। वरिष्ठ अधिकारियों से हरी झंडी मिलने के बाद सिरमौर थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने अपने स्टाफ के साथ पिकअप वाहन की घेराबंदी की। बदरहा घाटी उतरने के पहले ही पिकअप वाहन को पकड़ लिया गया। वाहन में शराब लोड थी। इनके पास परमिट तो था लेकिन उसका समय निकल चुका था। जब पूछताछ की गई तो पकड़े गए आरोपियों ने सारा खेल ही खोल कर रख दिया। उन्होंने बताया कि यह दूसरी मर्तबा शराब ले जा रहे हैं। इसके पहले एक खेप वह अतरैला शराब दुकान पहुंचा चुके थे। एक ही परमिट से दूसरी खेप ले जाई जा रही थी। वेयर हाउस से शराब ले जाने के लिए समय तय था। 2 से 7 बजे के बीच ही उसे अतरैला पहुंचाना था। एक खेप ले जाने के बाद दूसरी मर्तबा शराब ले जाते पकड़े गए। अब आबकारी विभाग के अधिकारियों पर भी तलवार लटकने लगी है। आबकारी विभाग की मिली भगत से ही यह सारा गोरखधंधा चल रहा है। एक ही परिमिट से कई खेप शराब दुकानों मे खपाई जा रही है। इसमें करोड़ों रुपए का खेल हो रहा है।

सिरमौर पुलिस ने 300 पेटी देशी प्लेन शराब पकड़ी है। यह शराब बोदाबाग वेयर हाउस से निकलना बताया जा रहा है। इसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। इस शराब को घाट के नीचे सप्लाई करना था। इस शराब को अतरैला दुकान के नाम से निकाला जरूर गया था लेकिन इसे गांव गांव में पहुंचाकर अवैध रूप से पैकारी में खपाना था। इसके पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस विभाग ने अवैध शराब की तस्करी करते वाहन में अजय सोंधिया उर्फ जन्नू पिता लखनलाल सोंधिया उम्र 29 वर्ष, मनोज वर्मा उर्फ गोलू पिता रामधारी वर्मा निवासी छिबौरा थाना रामपुर बघेलान, जिला सतना को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक दीपक तिवारी थाना प्रभारी सिरमौर, उप निरीक्षक पीएन सतनामी, आरक्षक कैलाश सोलंकी, राहुल चौहान, बसंत गावड़ की विशेष भूमिका रही।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल पांडे की मूर्ति लगाने कृष्णा गौर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल (नगर संवाददाता)

देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले प्रथम स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने 1857 की क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाई और देशभक्ति का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। राजधानी अभी तक ऐसी महान विभूति की मूर्ति से वंचित है, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके। युवा सेवा समिति भोपाल ने स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की मूर्ति गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में लगाने की मांग क्षेत्रीय विधायक और राज्यमंत्री कृष्णा गौर को एक ज्ञापन सौंपा गया। समिति के संरक्षक गोपाल पांडे के मार्गदर्शन में इस मांग को प्रमुखता से उठाया गया है। साकेत मंडल भाजपा के अध्यक्ष प्रताप सिंह वैश्य के नेतृत्व में समिति के अध्यक्ष विनय पांडे ने एक ज्ञापन समिति के पदाधिकारियों के साथ राज्यमंत्री कृष्णा गौर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राज्यमंत्री को अवगत कराया गया कि गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थल (जैसे पार्क, चौक, विद्यालय परिसर आदि) में देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की प्रतिमा स्थापित कराने की मांग उठाई। समिति के अध्यक्ष विनय पांडे का कहना है कि युवा सेवा समिति भोपाल द्वारा निरंतर सामाजिक कार्यों को लेकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजधानी में देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल पांडे की कहीं भी कोई प्रतिमा नहीं है, इसलिए उनकी मूर्ति लगाने को बीड़ा समिति ने उठाया है। इस कार्य से न केवल स्वतंत्रता संग्राम के इस महान योद्धा को श्रद्धांजलि दी जाएगी, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रप्रेम और इतिहास के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने समिति पदाधिकारियों की मांग को गंभीरतापूर्वक सुनकर इस कार्य के लिए शीघ्र ही स्थान तय कर मूर्ति लगवाने का विश्वास दिलाया। अब गोविंदपुरा में शीघ्र ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल पांडे की मूर्ति लगाई जाएगी। मंत्री को ज्ञापन सौंपते देते समय अशोक यादव, नंदलाल पुनासे, राजेन्द्र सिंह, संदीप पांडेय, सचिन राय, चंद्र प्रकाश पांडेय, राहुल गिरी, पीयूष धुर्वे, अनुज तोमर आदि मौजूद थे।

टैक्स लॉ बार एसोसिएशन ने किया कार्यशाला का आयोजन

आयकर विवरणी भरने के तरीके बताए फॉर्म की अनदेखी न करने की नसीहत

भोपाल (नगर संवाददाता)

टैक्स लॉ बार एसोसिएशन द्वारा अपने सदस्यों के लिए आयकर विवरणी भरने में विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे वार्षिक सूचना लेखा-जोखा एवं लेनदेन सूचना लेखा-जोखा का उपयोग कैसे करना है एवं उसमें उपलब्ध जानकारी का उपयोग आयकर विवरणी भरने में कैसे करना है। इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसे युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट आकाश सक्सेना ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे इन फार्मों की हमें अनदेखी नहीं करना है, विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे इन फार्मों में अलग-अलग स्रोतों से जानकारी दो बार आ जाती है इसका हमें ध्यान रखना है नहीं तो कर की देनदारी बढ़ जाएगी। उन्होंने बताया की बैंक खातों से निश्चित सीमा से अधिक नगद निकालने या जमा करने पर विभाग से नोटिस आने की संभावना है। किसी भारतीय करदाता को विदेशी कंपनियों से प्राप्त होने वाले डिविडेंड पर आयकर देने की जिम्मेदारी है। इसी प्रकार सूचना पत्र में कभी-कभी शेयरों की खरीदी का मूल्य शून्य दर्शा दिया जाता है जिसे जांच कर भरना आवश्यक है अन्यथा पूंजीगत लाभ कर देने की जवाबदारी आ सकती है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मृदुल आर्य वरिष्ठ सदस्य भूपेश खुरपिया, राजेश्वर दयाल, गोविंद वसंता, हर्ष गुप्ता, अनिल जैन आदि उपस्थित थे।

सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त शिवेन्द्र देव पांडेय के प्रकरण में उच्च स्तरीय जांच की मांग

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन, प्रमुख सचिव (सहकारिता), महानिदेशक (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं को ज्ञापन सौंपकर शिवेन्द्र देव पांडेय, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, सागर संभाग, के विरुद्ध दर्ज प्रकरण की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। श्री पांडेय को 23 जुलाई 2025 को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में 50 हज़ार रुपये लेने का प्रकरण दर्ज किया गया था, परंतु 23 जुलाई को न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत प्रदान कर दी गई। संघ का कहना है कि यह प्रकरण पूर्व नियोजित, आधारहीन और दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने पूर्व में सेवा सहकारी समिति पनवारी में सेल्समैन नियुक्ति हेतु आवेदन दिया था, एवं चूंकि यह उनके अधिकार क्षेत्र का कार्य नहीं रहा अतः नियमानुसार कार्यवाही के लिए श्री पांडेय द्वारा उसे संबंधित जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश भी दे दिए गए थे। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता के आवेदन में संलग्न समिति का प्रस्ताव अहस्ताक्षरित था तथा समिति द्वारा जारी नहीं किया गया था। संघ का कहना है कि घटना स्थल पर ईओडब्ल्यू टीम द्वारा प्रकरण दर्ज करने के लिए श्री पांडेय के हाथ के पृष्ठ भाग में जबरदस्ती कर रकम स्पर्श करायी गई एवं कार्यालय के कुछ कर्मचारियों के साथ जोर ज़बरदस्ती भी की गई जिस पर पुलिस सहित उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है। सहकारिता विभाग एवं प्रदेश की सहकारी समितियों में ऐसी कार्यवाही से भय एवं आक्रोश का वातावरण व्याप्त है। स्पष्ट है कि यह कार्यवाही षड्यंत्रपूर्वक की गई है। संघ ने मांग की है कि श्री पांडेय की निष्कलंक छवि और उनकी वर्षों की ईमानदार सेवाओं को देखते हुए इस मामले की उच्च स्तरीय, समयबद्ध और निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और सच्चाई सामने आ सके।

संगीत – चौपाल ने आयोजित किया "सिर्फ़ रफ़ी" कार्यक्रम

रवीन्द्र भवन में मोहम्मद रफ़ी के सदाबहार एकल नगमों से सजी शाम

रफ़ी के नग़मे हवा से कलाम करते हैं
सितार तबला और सारंगी एहितराम करते हैं
रफ़ी की धुन में धुनें कोई कोई रहती हैं
रफ़ी तो वो हैं जिन्हें सुर सलाम करते हैं

भोपाल (नगर संवाददाता)

बद्र वास्ती ने जब ये शेर पढ़कर "सिर्फ़ रफ़ी" कार्यक्रम का आगाज किया तो हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। हिंदी सिनेमा के महान गायक मोहम्मद रफ़ी की याद में एसबीआई और एलआईसी के सहयोग से संगीत चौपाल द्वारा भोपाल में रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में 24 जुलाई को "सिर्फ़ रफ़ी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि इसमें रफ़ी साहब के चुनिंदा एकल गीतों (सोलो सांग्स) की प्रस्तुति दी गई।

आकाशवाणी भोपाल के निर्देशक राजेश भट्ट ने हमको तुम्हारे इश्क ने क्या क्या बना दिया.., नज़र न लग जाये किसी की राहों में .., ये चांद सा रोशन चेहरा.., लाखों हैं निगाह में..,ये रेशमी जुल्फें तथा रंग और नूर कि बारात किसे पेश करूं जैसे सदाबहार गीत प्रस्तुत किये। श्याम कृष्णमूर्ति ने सौ बार जनम लेंगे.., जाने बहार हुस्न तेरा बेमिसाल है, खोया खोया चांद.., ज़रा सुन हसीना ऐ नाज़नी, आज कल में ढल गया और मैं निगाहें तेरे चेहरे से हटाऊं कैसे ...गीत गाकर रफ़ी साहब कि यादें ताज़ा कर दी । नुशुर अहमद ने आने से उसके आये बहार, रुख से ज़रा नकाब उठा दो, क्या हुआ तेरा वादा जैसे यादगार नग़में पेश किये । ईशान जैन ने छलके तेरी आंखों से शराब और ज़्यादा, तू कहां ये बता इस नशीली रात में और इशाक अली ने ज़िंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की रात व मस्त बहारों का मैं आशिक जैसे रोमांटिक गीत प्रस्तुत किये । संगीत संयोजन केदार सिंह चौहान का था और गिटार पर संजीव झा व दीप चौधरी, रिदम पर राजकुमार, आक्टोपेड पर विशाल जोशी और तबले पर शाहनवाज़ खान ने दी ।ध्वनि संयोजन शोएब का । कार्यक्रम का बेहद दिलचस्प संचालन प्रसिद्ध मंच संचालक बद्र वास्ती ने किया।

विंध्य के वैभव को मिलेगा नया आयाम, रीवा में 26-27 जुलाई को होगा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव

मुख्यमंत्री रीवा में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का शनिवार को करेंगे शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल और पर्यटन व संस्कृति राज्य मंत्री लोधी भी होंगे शामिल

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रीवा में दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में शनिवार 26 जुलाई को शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी भी उपस्थित रहेंगे। मध्यप्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और विंध्य क्षेत्र की पर्यटन क्षमताओं को पहचानते हुए राज्य में पर्यटन निवेश को बढ़ाने के लिए रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है।

डिजिटल पहल, एमओयू, आधारशिला कार्यक्रम एवं अनुबंध

आईआरसीटीसी पोर्टल पर पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा बुकिंग पोर्टल का शुभारंभ होमस्टे ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल का लोकार्पण मेक माय ट्रिप के साथ एमओयू चित्रकूट घाट में 'स्पिरिचुअल एक्सपीरियंस' परियोजना की आधारशिला का वर्चुअल शिलान्यास होगा।

शहडोल में एफसीआई (फैसिलिटेशन सेंटर फॉर टूरिस्ट्स) का उद्घाटन : मंडला, डिंडोरी, सिंगरौली, सीधी और सिवनी में कला एवं शिल्प केंद्रों की स्थापना के लिये एजेंसियों के साथ और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग एजेंसियों—मेसर्स बारकोड एक्सपीरिएंशल एवं मेसर्स क्यूयुकी डिजिटल के साथ अनुबंध होंगे।

वन्यजीव, धरोहर और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं पर होगा मंथन : रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में पर्यटन क्षेत्र पर आधारित विभिन्न सत्र होंगे। मध्यप्रदेश में वन्यजीव, धरोहर और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं, पर्यटन अनुभव और निवेश पर मंथन होगा।

अक्टूबर में भोपाल में होगा ट्रेवल मार्ट

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश में आतिथ्य क्षेत्र के निवेशकों को सम्मानित भी किया जाएगा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा अक्टूबर माह में भोपाल में आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट की पूर्व तैयारियों के दृष्टिगत यह रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में ग्वालियर में अगस्त एवं इंदौर में सितंबर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन होगा।

चावल की जगह गेहूं की मात्रा बढ़ी, होगा 75:25 का अनुपात

भोपाल। प्रदेश के पात्र हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली,पीडीएस के तहत अब अधिक मात्रा में गेहूं मिलेगा। वर्षों से लंबित इस मांग को प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के प्रयासों के चलते केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब पात्र परिवारों को मिलने वाले खाद्यान्न में 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल वितरित किया जाएगा। जबकि अभी तक चावल और गेहूं 60-40 के अनुपात में वितरित किया जाता था। खाद्यान्न वितरण के इस अनुपात में बदलाव की मांग लंबे समय से की जा रही थी। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत केंद्र द्वारा राज्यों को खाद्यान्न का आवंटन एक निर्धारित अनुपात में किया जाता है। इस व्यावहारिक विसंगति को दूर करने के लिए मध्यप्रदेश के खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया था। राजपूत ने केंद्रीय मंत्री, जोशी को यह भी अवगत कराया कि मध्यप्रदेश में चावल की आवश्यकता कम है, जबकि अधिक मात्रा में मिलने वाला चावल अक्सर बाजार में औने-पौने दामों पर बेचा जाता है।

बदलेगी पीडीएस की राशन व्यवस्था, मप्र में पहली बार खाद्य मंत्री राजपूत के अनुरोध पर केंद्रीय खाद्य मंत्री ने लिया फैसला

समस्या रिटायर्ड कर्मियों को डीआर के लिए मप्र को विभाजित राज्य छत्तीसगढ़ से लेना पड़ती हर बार सहमति

धारा 49 राज्य के पौने 4 लाख पेंशनर्स के लिए बनी हुई है बाधा

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के पेंशनरों को मिलने वाली डीआर (डियरनेस एलायंस) में छत्तीसगढ़ की धारा उलझन का कारण बन गई है। दोनों राज्यों का जब विभाजन हुआ था तभी यह शर्त शामिल कर दी गई थी। तब से निरंतर पत्राचार चल रहा, लेकिन इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो पाया है।

इधर इस आर्टिकल के कारण राज्य के पेंशनर अभी तक एरियर्स में बड़ी आर्थिक क्षति उठा चुके हैं। कभी अविभाजित मप्र का हिस्सा रहा छत्तीसगढ़ वर्ष 2000 के दौरान पृथक राज्य बना था। तब पूरा प्रशासनिक ढांचा भी यहां से अलग हुआ था। सरकारी सेवकों को केन्द्र और राज्य से जो सुविधाएं दी जाती हैं उनकी नियमावली भी पृथक-पृथक हुई थी, लेकिन पेंशनरों के बीच उस दौर में फंसा एक पेंच आज भी विवाद का कारण बना हुआ है। केन्द्र सरकार अपने कर्मचारियों को मूल सूचकांक के आधार पर जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ता देती है। इस आधार पर राज्य सेवकों को भी यह सुविधा देने का प्रावधान रहा है। मप्र में नियत तिथि से यह लाभ मिल रहा हैं, लेकिन पेंशनर इस भुगतान से छूटे हैं। कारण है कि इसके लिए धारा 49 के तहत मप्र सरकार को छत्तीसगढ की सहमति लेना पड़ती है। पिछले माह सरकार ने जनवरी से नियमित कर्मचारियों को जनवरी 2025 से दो फीसदी केन्द्र के समान डीए दिया। लेकिन पेंशनर्स अभी भी इससे वंचित हैं। कारण है कि इस मामले में छत्तीसगढ़ से अभी तक सहमति नहीं मिल पाई है।

मूल सूचकांक के आधार पर केन्द्र के समान जनवरी-जुलाई में महंगाई भत्ता देने का है प्रावधान

वित्त विभागों की कई बार चर्चा

धारा 49 को समाप्त करने के लिए दोनों राज्यों के वित्त विभाग अधिकारियों की कई बार चर्चा हुई है। वर्ष 2023 में सरकार की कर्मचारी कल्याण समिति ने छत्तीसगढ़ के वित्त विभाग को पत्र लिखा था। इसके बाद दोनों राज्यों के वित्त प्रमुख सचिवों की दूरभाष पर मामले पर चर्चा हुई थी। तब यह तय हुआ था कि जल्द ही यह आर्टिकल समाप्त होगा, लेकिन स्थिति ज्यों की त्यों है। सरकार की ओर से कर्मचारी संगठनों का प्रतिनिधिमंडल 2024 में छत्तीसगढ़ सीएम से व्यक्तिगत मुलाकात कर चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस है।

प्रदेश में पौने चार लाख पेंशनर्स : मप्र में इस समय पौने चार लाख पेंशनर्स हैं। नियम यही है कि एक साथ नियिमत और रिटायर्ड सेवकों को डीए-डीआर मिलना चाहिए। अब पेंशनर्स पीछे हो रहे हैं। इन्हें जहां तीन से चार माह विलंब से महंगाई राहत मिल रही है तो उस अंतर के एरियर्स राशि का भुगतान भी नहीं हो पा रहा है। अनेक ऐसे पेंशनर्स हैं कि जो पीड़ा बताते कि इसी राहत पर उनके परिवारों का आर्थिक आधार चल रहा है। पड़ोसी राज्य की अनुमति लेने का मामूली सा नियम भारी पीड़ा दे रहा है।

इनका कहना

जब वह सरकार में कर्मचारी कल्याण समिति के चेयरमेन थे, तब चार पत्र पड़ोसी राज्य को लिखे। दोनों राज्यों के वित्त सचिवों की भी चर्चा हुई, लेकिन यह आर्टिकल समाप्त न होना चिंता का कारण है।

■ **रमेशचन्द्र शर्मा शर्मा,** पूर्व चेयरमेन मप्र कर्मचारी कल्याण समिति

नियमित सेवक तो समय पर लाभ पा रहे, लेकिन पेंशनरों को गुजारा पेंशन के लिए भटकना पड़ रहा है। तीन से चार माह इनके भुगतान में विलंब हो रहा। इनके एरियर्स की राशि भी राजकोष में हजम हो रही है।

■ **एमपी द्विवेदी,** अध्यक्ष, मप्र अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा

संक्षिप्त समाचार

विन्ध्य में तुलसी जयंती मनाने तैयारियों जोरों पर

रीवा संवाददाता। राम चरित मानस के रचयिता महाकवि तुलसीदास के 31 जुलाई के दिन तुलसी जयंती मनाने बड़े पैमाने पर संस्थाओं, विद्यालयों एवं सामाजिक संगठनो द्वारा तैय्यारियां प्रारम्भ कर दी गई है। स्थानीय मानस भवन में मानस मंडल द्वारा 27 जुलाई से 5 दिवसीय विविध आयोजन कराने के निर्णय का हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक एवं मानस मंडल के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य नारायण डिगवानी ने स्वागत किया है। निकाली जाने वाली तुलसी शोभा यात्रा 27 जुलाई को श्रद्धालु अनुयायियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने का अनुरोध किया है एवं समस्त कार्यक्रमों में उपस्थिति एवं प्रबुद्धजनो द्वारा जगह-जगह शोभा यात्रा का स्वागत करने का आग्रह किया है।

नोटरी अशोक चतुर्वेदी के निधन पर महासंघ ने जताया शोक

रीवा संवाददाता। गुढ तहसील में नोटरी का कार्य कर रहे अशोक कुमार चतुर्वेदी के आकस्मिक निधन पर नोटरी महासंघ जिला रीवा द्वारा रीवा न्यायालय में शोक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। नोटरी महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी,संयोजक योगेंद्र शुक्ला श्रीमती उषा जैन श्रीमती अंबिका गुप्ता विनोद शर्मा अनिल श्रीवास्तव एडवोकेट संतोष मिश्रा के के द्विवेदी संतोष सिंह देवेंद्र सो हगौरा हीरालाल वर्मा प्रदीप पांडे शपथ आयुक्त राहुल कुशवाहा अब्दुल खान राम गोपाल तिवारी सतीश शुक्ला रघुवंश प्रताप सिंह ध्रुव नारायण शुक्ला भोला प्रसाद पटेल मोतीलाल पटेल नोटरी कमलेश्वर प्रसाद मिश्राविवेक शुक्ला अनुभवी शुक्ला अनुभवी द्विवेदी अभिषेक शुक्ला मुकेश मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शोक श्रद्धांजलि व्यक्त कर ईश्वर से मृत आत्मा को मोक्ष प्रदान करने एवं परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने प्रार्थना की।

लक्ष्मणबाग संस्थान की अस्मिता को समाप्त करने चल रही साजिश

- कुंवर, विनोद ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की आयुक्त से मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के कार्यकारी अध्यक्ष किसान नेता कुंवर सिंह पटेल और प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने आज आयुक्त रीवा संभाग से मिलकर बताया कि रीवा शहर स्थित लक्ष्मण बाग संस्थान सैकड़ो वर्षों से सनातन धर्म का प्रतीक है एवं आजादी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थि कलश रखा गया था आज भी बापू भवन मौजूद है आज वह संस्थान साजिशों का शिकार होकर उसकी अस्मिता को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। वर्ष 1848 में रीवा के महाराज श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जू देव ने 58 एकड़ जमीन देकर लक्ष्मण बाग संस्थान की स्थापना की थी एवं महंत लक्ष्मण बाग संस्थान के अध्यक्ष व तीन सदस्य मनोनीत किए थे लक्ष्मण बाग संस्थान की ग्राम कुठुलिया की भूमि खसरा नबर 11,12,13 के जो गोपालबाग के नाम से जानी जाती है ,को पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन कैंपस रीवा के लिए क्रय किया जा रहा है। जिसमें कलेक्टर ही संस्थान के प्रशासक है , तब वह संस्थान के भूमि के विक्रय की सहमति कैसे दे सकते है । संस्थान की भूमि मूर्ति यानी नाबालिग की भूमि है। इससे संस्थान के लिए अहितकर निर्णय नहीं लिया जा सकता है। सेमरिया में संस्थान की भूमि के विक्रय पत्र को न्यायालय द्वारा निरस्त किया गया है , इसमें संस्थान द्वारा स्वयं ही विक्रय पत्र के विरुद्ध बाद प्रस्तुत किया गया था। इस भूमि के विक्रय के विरुद्ध भी माननीय उच्च न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है । सेमरिया की भूमि के विक्रय में कलेक्टर द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में कहा गया है कि विक्रय अवैध है। इस भूमि के विक्रय में माननीय उच्च न्यायालय में कहा जा रहा है कि विक्रय किया जा सकता है । संस्थान के कलेक्टर दोहरे मापदंड या तर्क कैसे अपना सकते है ।

भूमि की अदला-बदली में मूल्य का भारी अंतर

विक्रय में कलेक्टर द्वारा तर्क दिया गया है कि नगरनिगम क्षेत्र में अदला-बदली में देने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है । भूमि की अदला-बदली तो समान मूल्य के आधार पर होगी । समान मूल्य की भूमि शहर में उपलब्ध है किंतु उसे कम रेट पर व्यापारियों को दिया जा रहा है । संस्थान की शहर से लगी भूमि जो वर्ग फीट के हिसाब की है किंतु उसे एकड के हिसाब से मूल्य निर्धारित किया जा रहा है । यदि भूमि लिया ही जाना है तो उसी मूल्य की भूमि संस्थान को शहर के अंदर दी जाय। विक्रय किए जाने पर बदरीनाथ की भूमि से प्राप्त राशि की तरह ही इसका भी दुरुपयोग होगा। लक्ष्मण बाग संस्थान में इन्हीं कारणों से वर्ष 2005 से अब तक महंत की नियुक्ति नहीं की जा रही है । यह जबाव दिया जा रहा है कि संस्थान में महंत का पद ही नहीं है । यदि महंत और कमेटी नहीं होती तो कलेक्टर प्रशासक कैसे होते । कुवर और विनोद ने सनातन धर्म के प्रतीक एवं देश की आजादी के मिसाल में सहभागिता निभाने वाले लक्ष्मण बाग संस्थान के विरुद्ध साजिश करने वाले जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध जांच कराई जाकर कानूनी कार्यवाही करने एवं लक्ष्मण बाग संस्थान को बचाया जाए।

रेडक्रॉस द्वारा वितरित किये गये सहायक उपकरण

रीवा, नगर संवाददाता।

24 जुलाई 2025 को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी रीवा द्वारा संचालित जिला निःशक्त पुनर्वास केंद्र द्वारा दो श्रवण बाधित दिव्यांग जनों को श्रवण यंत्र निशुल्क वितरित किया गया।

छोटेलाल कोल पिता विश्राम कोल निवासी डीही गुढ एवं हरिहर प्रसाद पटेल पिता श्याम सुंदर पटेल ग्राम बधवार को चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी द्वारा प्रदान किया गया।

इस वितरण शिविर में सचिव भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी डॉ. विनोद श्रीवास्तव,संजय शुक्ला, पीयूष मिश्रा, पंकज सिंह, संदीप चतुर्वेदी सहित हितग्राहियों के परिजन उपस्थित रहे।

अमर योद्धा चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर मऊगंज में विचार संगोष्ठी आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

आजादी के आंदोलन के अमर योद्धा चंद्रशेखर आजाद की 120 वीं जयंती के अवसर पर मऊगंज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने एक विचार संगोष्ठी देश बचाओ आध्यात्मिक राष्ट्रीय पुनर्जागरण मंच के बैनर तले आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड प्राचार्य उमाकांत पाण्डेय एवं संचालन सामाजिक कार्यकर्ता एवं हरिभूमि के शेषमणि शुक्ला ने किया। संगोष्ठी को प्रमुख रूप से संबोधित करते हुए लोकतंत्र सेनानी समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक अजय खरे ने कहा कि क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का पूरा जीवन संघर्ष का रहा। इलाहाबाद में 27 फरवरी 1931 को अंग्रेज पुलिस के द्वारा उन्हें घेर लिया गया। उन्होंने बचने के लिए अपनी पिस्तौल से जवाबी गोलियां चलाई लेकिन जब उन्हें लगा कि अब वह पकड़े जा सकते हैं तो उन्होंने अंतिम गोली खुद को मार दी। आजाद अंतिम समय तक आजाद रहे। संपन्न संगोष्ठी में प्रमुख रूप से अशोक पाण्डे, ईश्वरी प्रसाद, बेनी माधव मिश्रा, बनवारी लाल पाण्डे, प्रदीप कुमार द्विवेदी ऋद्धढ़ कार्यकर्ता शिवानंद, दीनानाथ मिश्रा, प्रकाश मिश्रा, शिव प्रसाद तिवारी, प्रशांत पाण्डे, राकेश पटेल किसान नेता, नरेन्द्र बहादुर देशसिंह किसान संघ अध्यक्ष, अखिलेश पांडेय सामाजिक कार्यकर्ता , प्रिंस पाण्डे,दशरथ शुक्ल आदि ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर सैकडो की संख्या में उपस्थिति रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना में भारी अनियमितता व भ्रष्टाचार

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्थानांतरण की उठी मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना में जब से मुख्य चिकित्सा अधिकारी पदस्थ हुए हैं यहां की व्यवस्था विकलांग हो चुकी है यहां केवल भ्रष्टाचार बना हुआ है सुत्र बताते है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के (सी एच ओ)कभी फील्ड में नहीं रहते न हीं मरीज की कम्युनिटी हेल्थ देखभाल नहीं करते (एनसीडी) की एंट्री ऑफिसर नहीं करते हैं उसके बावजूद भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करके 15000 रुपए प्रति (पीबीआई)का भुगतान कर दिया जाता है,एमडी भोपाल के द्वारा भी डांट फटकार लगाई गई थी उसके उपरांत भी कोई भी (सीएचओ)फील्ड में नहीं जाते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विगत माह पहले हनुमना अस्पताल के लिए कई नग कूलर पंखा आदि सामान लिया गया है जो रेट से ज्यादा फर्जी बिल लगाया गया है जो हनुमना अस्पताल के अकाउंटेंट द्वारा भारी भ्रष्टाचार एवं फर्जी बिल लगाकर पैसा निकाला जाता है जिला कलेक्टर से मांग की जाती है इन बिलों की जांच कराई जाए तो साफ पता चल जाएगा दूध में कितना पानी मिलाया गया है।

अस्पताल में घट रही मरीजों की संख्या

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना में जब से पदस्थ हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी तब से यहां पर ग्रामीण दूर दराज से अब कम मात्रा में मरीज आ रहे हैं इसका कारण यह है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की लापरवाही महीने में 10 दिन हनुमना तो 20 दिन रीवा भोपाल का दौरा करते हैं,यहां पर कोई जानकार डॉक्टर नहीं है और जो डॉक्टर हैं भी वह अपनी पढ़ाई में लगे हुए हैं मरीज को देखकर सीधे रेफर का पर्ची बना देते हैं मरीजों के लिए शासन द्वारा जो दवा मिलती भी है उसे न देकर अपनी निजी दुकान से दवा की पर्ची लिख देते हैं धीरे-धीरे मरीजों का आना यहां कम हो चुका है समाचार के माध्यम से स्थानीय जनप्रतिनिधि क्षेत्रीय विधायक जिला कलेक्टर मऊगंज एवं जिला अस्पताल रीवा से ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद भी यहां का हाल जस का तस बना हुआ है। केवल कागजों पर पूरा खेल किया जा रहा है।

क्लस्टर प्रदर्शन के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

देश व प्रदेश को दलहन एवं तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय खादय सुरक्षा परियोजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र रीवा जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा संचालित कृषि व कृषकों के हितों के प्रति समर्पित संस्था द्वारा दलहन जिसमें अरहर एवं उर्द की फसलों की नवीनतम उन्नत तकनीकी जिसमें उन्नत बीज, बीजोपचार, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, मेढ़ नाली विधी से बोनी, समय पर खरपतवारों को प्रबंधन से लेकर एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन तकनीकी को अपनाकर आपेक्षित उपज वृद्वि प्राप्ति के उद्देश्य से दोनों फसलों को 300 कृषकों के यहाँ प्रदर्शन के माध्यम खरीफ 2025 में कार्यक्रम लिया गया है। विगत 15 दिनों से केंद्र व केंद्र के बाहर कृषकों को निरंतर उन्नति तकनीकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में 23 जुलाई को ग्राम सेहुड़ा, जवा में कृषक प्रशिक्षण आयेजित किया गया जिसमें 78 कृषकों ने प्रशिक्षण में भाग लेकर कार्यक्रम प्रभारी डॉ स्मिता सिंह ने उन्नत बीज, संतुलित खाद, खरपतवार प्रबंधन आदि विषय पर विचार साझा किया, कार्यक्रम में पौध रोग विशेषज्ञ डॉ के एस बघेल ने बीजोपचार का रोग नियंत्रण में महत्व पर कृषकों को जागरूक किया,मौसम वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने फसल उत्पादन में मौसम के प्रभवों पर प्रकाश डाला एवं कृषकों की जिज्ञासा का समाधान किया। मार्गदर्शन के लिये केंन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार पांडेय व कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ सनत कुमार त्रिपाठी का विशेष आभार माना।

किसानों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेस आज राज्यपाल के नाम सौंपेगा ज्ञापन

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में खाद्य बिजली पानी एवं कानून व्यवस्था, आवारा पशुओं द्वारा किसानों की नष्ट की जा रही फसलों आदि विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन कलेक्टर रीवा के माध्यम से 25 जुलाई को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा एवं शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, प्रदेश प्रतिनिधि, वर्तमान तथा पूर्व पार्षदगण, पार्षद प्रत्याशी, महिला कांग्रेस, सेवादल, युवक कांग्रेस, एन.एस.यु.आई, मोर्चा संगठन, विभाग प्रकोष्ठ, आई.टी.सेल के सभी पदाधिकारियों एवं समस्त कांग्रेस जनों से उर्हट स्थित कांग्रेस कार्यालय में दोपहर 1 बजे एकत्रित होने की अपील की है। कांग्रेस कार्यालय से कांग्रेस जनों का जत्था कलेक्ट्रेट पहुंचकर निर्देशानुसार महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन कलेक्टर रीवा को सौंपा जाएगा।

रास्ते के विवाद को लेकर गांव के दबंगों ने महिला से की मारपीट

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के पनवार थाना अंतर्गत ककरहा टोला में सार्वजनिक रास्ते के विवाद को लेकर गांव के कुछ लोगो ने महिला से मारपीट किए हैं वही फरीयादी ने अरोपियो के खिलाफ पनवार थाना में,296,115,35(2) 3(5) बीएनएस धाराओ के तहत अपराध पंजीबद्ध करवाया है। फरियादी राजकली साहू पति भोला प्रसाद साहू उम्र 56 वर्ष निवासी ककरहा पनवार ने हमारे संवाददाता को बताया कि 21 जुलाई को सुबह 11 बजे अपने घर के पीछे खेत में धान का रोपा लगा रही थी कुछ दूरी पर गांव के अंकित कुशवाहा एवम छोटेलाल कुशवाहा मेरे खेत की मेड काट रहे थे, मैंने मना किया और कहा कि इस मेड से रास्ता निकलता है इसे क्यो खोद रहे हो इसी बात को लेकर अंकित कुशवाहा छोटेलाल कुशवाहा द्वारा अश्लील गालिया देते हुये मारपीट करने लगे। हल्ला गुहार लगाने पर बीच बचाव के लिये पहुंचे बेटे कमलेश साहू के साथ भी मारपीट की गयी। इस दौरान गांव के लोग आये और मामला शांत कराया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर वहाँ से चले गये। इस घटना में महिला सहित उसके बेटे के बाए पैर,कमर,बाए हाथ में चोट आई है जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डाभौरा में इलाज करवाया है। पुलिस कार्यवाही में जुट गई है।

कारगिल विजय दिवस समारोह को लेकर हुई तैयारी बैठक

रीवा, नगर संवाददाता।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला कार्यकारिणी की बैठक सैनिक विश्राम गृह मे आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव रमेश पाण्डेय उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस समारोह में प्रदेश व प्रांत से आने वाले अतिथियों की स्वीकृति मिल गई है जिसमें महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष मेजर जनरल निश्चय राउत, प्रांतीय संगठन सचिव सुबेदार बीपी तिवारी (जबलपुर), ब्रिगेडियर एसडी सिंह भोपाल से, प्रदेश संगठन महामंत्री सुबेदार मेजर प्रहलाद सिंह ग्वालियर से और जिला सीधी,मऊगंज,सतना, मैहर और अन्य जिलों से पदाधिकारी व सम्मानित सदस्यगण आ रहे हैं। जिले के वीर नारियों और वीर माता-पिता के साथ साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों व समाज सेवियों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम मानस भवन रीवा में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जायेगा।

समस्या दो दिनों से नल-जल का पानी बन्द, मचा हाहाकार

नप मनगवां ने जमा नहीं किये 14 लाख रूपये बिजली बिल, डिफाल्टर समझ काट दिया कनेक्शन

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले के मनगवां बिजली विभाग द्वारा नगर परिषद का बकाया बिजली बिल 14 लाख रुपये की राशि जमा ना करने पर डिफॉल्टर मान कर नल जल सप्लाई के दो पंप हाउसों के बिजली कनेक्शन काट दिए गए हैं । जिसके बाद से ही मनगवां नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10.11.12.13.14.15 वार्ड के लोगों की नल जल सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई है,लोगों के घरों में नहाने पीने का पानी नहीं पहुँच पा रहा है, जिसके बाद से बस्ती के लोगों के सामने पानी का बड़ा संकट आ गया हैं । यहॉ के लोगो को पानी न मिलने से दैनिक व्यवस्था बिगड़ गई है। फ़िलहाल नगर परिषद द्वारा लोगों के घरों तक पानी पहुँचाए जाने के लिए किसी तरह से वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं बनाई गई हैं पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है पिछले 2 दिनों से पूरी तरह से नल जल सप्लाई बंद है वहीं इस संबंध में बिजली वितरण केंद्र के प्रभारी के आकाशदीप जयसवाल ने बताया कि कई महीनों से बिजली का बिल नगर परिषद के द्वारा नहीं जमा किया जा रहा है । वसूली के लिए कई बार नगर परिषद पहुँचे बावजूद पैसा जमा नहीं किया जा रहा है,जिसके बाद अब बिजली कनेक्शन काट दिए गए है । बिजली विभाग के प्रभारी ने बताया है कि फ़िलहाल पहले फ़ेज़ में दो विद्युत मोटर जल सप्लाई के कनेक्शन काटे गए हैं और यदि एक दो दिनो के अंदर नगर परिषद ने बकाया 14 लाख रुपये जमा नहीं किया तो यहाँ के सभी बिजली सप्लाई कनेक्शन काट दिए जाएगे। बिजली विभाग के इस कार्यवाही के बाद हड़कम्प मचा हुआ है।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म मामले में

मुख्य आरोपी को 20वर्ष व सहयोगियों को 3-3 वर्ष की कैद

रीवा, नगर संवाददाता।

किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में मुख्य सहित दो सहयोगियों को सबूतों और गवाहों के आधार पर त्योंथर विशेष न्यायालय पास्को ने दोषी पाते हुये 7 वर्ष एवं 3-3 वर्ष के कैद की सजा सुनायी है। पूरा मामला जनेह थाना क्षेत्र अंतर्गत 2024 का बताया गया है, जहॉ शौच क्रिया के लिए गयी नाबालिग किशोरी को गांव के तीन युवकों द्वारा जबरन बाइक में बैठाकर शंकरगढ़ ले गए जहां पर मिथुन कोरी और दिनेश कोरी रेलवे स्टेशन पर छोड़ कर लौट आए और मुख्य आरोपी दीपक कोरी किशोरी को लेकर बैंगलोर चला गया जहां पर उसने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पूरे मामले में जनेह थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया और किशोरी के बयान लेने के बाद चालान त्योंथर न्यायालय पेश किया गया। जहॉ दोनों पक्षों के सुनवायी के बाद आज विशेष न्यायालय पास्को के विद्वान न्यायाधीश ने सहयोग करने वाले दो आरोपी मिथुन एवं दिनेश कोरी को 3 वर्ष एवं 2000 के अर्थदंड से दंडित किया वहीं मुख्य आरोपी दीपक कोरी को धारा 366 में 7 वर्ष सश्रम करावास एवं 3 हजार अर्थदंड एवं पास्को एक्ट की धारा में 20 वर्ष का कारावास एवं 5000 के अर्थ दंड से दंडित किया है। पूरे मामले की विवेचना विशेष लोक अभियोजक पास्को धीरज सिंह ने की वहीं मामले की विवेचना उप निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल द्वारा की गई थी।

इनका कहना है

ये घटना फरवरी 2024 की है जिसमे एक नाबालिग लड़की को आरोपी अपने साथियों के साथ बहला फुसलाकर बंगलोर ले गया था और वहा पीड़ित की मर्ज़ी के बिना गलत काम किया था। परिजनों की रिपोर्ट पर पीड़ित को सकुशल दस्तयाबी किया गया एवं पीड़िता के बताएँ अनुसार 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जिन्हें आज न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई हैं।

- कन्हैया सिंह बघेल, थाना प्रभारी जनेह

संपादकीय

लहूलुहान होता लोकतंत्र

चुनाव आयोग ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के संदर्भ में आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड और राशन कार्ड 'वैध दस्तावेज' नहीं हैं, लिहाजा उन्हें मान्यता नहीं दी जा सकती। बिहार में पुनरीक्षण का करीब 96 फीसदी काम पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग ने सर्वोच्च अदालत के आग्रह को नकार दिया है, लिहाजा अब न्यायिक पीठ का फैसला अथवा उसकी प्रतिक्रिया क्या रहती है, यह 28 जुलाई को सुनवाई के दौरान सामने आ सकता है।

सर्वोच्च अदालत या तो न्यायिक आदेश देती है अथवा निर्देश देती है, जिनका अनुपालन किया जाना चाहिए। अब अदालत और आयोग दोनों ही संवैधानिक संस्थाएं हैं, उनकी परस्पर मर्यादाएं हैं, लिहाजा अहम सवाल है कि क्या आयोग बनाम अदालत की स्थिति बन गई है? क्या शीर्ष अदालत भविष्य के मतदाता-सूची पुनरीक्षण के मद्देनजर आधार, वोटर और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज मानने को चुनाव आयोग को बाध्य कर सकती है? चुनाव आयोग ने यह भी दावा किया है कि मतदाता की नागरिकता का पता लगाना भी उसका संवैधानिक अधिकार है। बेशक यह मुद्दा भी सर्वोच्च अदालत के सामने उठेगा, क्योंकि न्यायिक पीठ कहती रही है कि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। वह गृह मंत्रालय का संवैधानिक जनादेश है। लिहाजा मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में बिहार में ही जिन 52 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काटने की संभावना आयोग ने जताई है, क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया हो जाएगी? यह तय करने वाला चुनाव आयोग कौन होता है? आयोग ने अभी तक जो डाटा इकट्ठा किया है उसके मद्देनजर आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में रेखांकित किया है कि बिहार की मतदाता सूचियों में करीब 18 लाख मृतकों के नाम दर्ज हैं, 26 लाख ऐसे नाम हैं, जो किसी दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं और वहां के मतदाता हैं, 7 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम दो-दो स्थानों पर हैं। इस तरह 52 लाख से अधिक नाम मतदाता-सूची से काटे जा सकते हैं।

बेशक ऐसे मतदाता 1 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान अपील कर सकते हैं। क्या नागरिकता से जुड़े ऐसे मामले सर्वोच्च अदालत तक भी पहुंच सकते हैं? बिहार में चुनाव आयोग के पुनरीक्षण-अभियान का जबरदस्त राजनीतिक विरोध किया जा रहा है। यहां तक कि विधानसभा में मेज-कुर्सियां उछाली गईं। सुरक्षाकर्मी और विपक्षी विधायक आपस में भिड़ गए, धक्कामुक्की, हाथापाई तक की नौबत आ गई। संसद परिसर में भी विपक्षी गठबंधन के सांसदों ने बैनर, पोस्टर, तख्तियां लेकर संसद भवन के 'मकर द्वार' पर विरोध-प्रदर्शन किया। संसद के भीतर विपक्षी सांसद अध्यक्ष के आसन तक 'वेल' में लामबंद हुए। नारेबाजी का शोर इतना था कि सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। दोनों सदनों की कार्यवाही दोनों दिन नहीं चल सकी। अब तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बयानबाजी शुरू कर दी है कि आयोग बंगाल में ऐसे 40 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट सकता है। बेशक चुनाव आयोग के अभियान से लोकतंत्र की हत्या की जा रही है अथवा नहीं, अलबत्ता लोकतंत्र लगातार 'लहूलुहान' जरूर हो रहा है। अब सर्वोच्च अदालत को एक निश्चित फैसला सुना कर देश के लोकतंत्र को बचाना है।

भूखमरी है विकास के विरोधाभासी स्वरूप की भयावह तस्वीर

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को चेताया है कि धरती पर करोड़ों लोग आज भी भूख, कुपोषण और खाद्य असुरक्षा के शिकंजे में जकड़े हुए हैं। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्रासदी की दास्तान है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि इक्कीसवीं सदी के इस तथाकथित 'विकसित' दौर में भी हम उस प्राथमिक आवश्यकता-भोजन को सुनिश्चित नहीं कर सके हैं, जो किसी भी आदर्श शासन-व्यवस्था एवं सभ्यता की बुनियादी कसौटी है। एफएओ के अनुसार, दुनिया भर में 70 करोड़ से अधिक लोग गंभीर भूख का शिकार हैं, जबकि करीब 2 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हालात और भी बदतर हैं। बच्चों में कुपोषण और स्टंटिंग (विकास अवरोध) की दरें चिंताजनक हैं।

समूची दुनिया में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसी तकनीक की नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? विकास की इस धारा में इंसान एवं इंसान की मूलभूत जरूरतें कहां है? यह कैसा विकास है कि जिसमें विसंगतियां एवं विरोधाभास ही अधिक है। एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के सहारे खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। बढ़ती भूखमरी एवं कुपोषण आधुनिक विकास पर एक बदनुमा दाग है। इस वैश्विक संकट की जड़ में केवल खाद्यान्न की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां गहराई से जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते गेहूं, तेल, उर्वरक और अन्य खाद्य सामग्री की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, यमन और सोमालिया जैसे देशों में वर्षों से चल रहे युद्धों ने लाखों लोगों को बेघर, बेरोजगार और भूखा बना दिया है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में आंतरिक संघर्ष और जलवायु आपदाएं खाद्य संकट को और विकराल बना रही हैं। भुखमरी के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, लेकिन दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख है। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, लगातार जारी युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों एवं आतंकवाद की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने में भी तरह-तरह की अड़चनों की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने

द्योतक हैं।

जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, चक्रवात और असामयिक वर्षा जैसे कारक कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, जैसे देशों के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान होने वाली आपदाएं किसानों की मेहनत को तबाह कर देती हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन घटता है, महंगाई बढ़ती है और आम आदमी की थाली सूखने लगती है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर जटिल से जटिलतर हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है।

आधुनिक विकास के प्रारूप पर चिन्तन करना होगा। यह विचारणीय प्रश्न है कि विकास के इस प्रारूप में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं, शहरों में चमचमाती इमारतें खड़ी हो रही हैं, तकनीक और एआई की बात हो रही है, लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भुखमरी बढ़ रही है, कुपोषण आम होता जा रहा है, बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई ने गरीब की थाली से दाल-सब्जी गायब कर दी है। विकास का यह विरोधाभासी चेहरा दिखाता है कि संसाधनों का वितरण असमान है और नीतियां गरीबों की भूख मिटाने की बजाय अमीरों की संपत्ति बढ़ाने में लगी हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में 2030 तक 'भूखमुक्त विश्व' का सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हम इस लक्ष्य से दूर होते जा रहे हैं। गरीब देशों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है, लेकिन विकसित राष्ट्र अपने राजनीतिक एवं आर्थिक स्वार्थों में उलझे हुए हैं। कृषि को प्राथमिकता देने के बजाय, हम स्मार्ट सिटी, हाईवे और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट में संसाधन झोंक रहे हैं।

महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। अधिक चिन्ताजनक यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। इन प्रयत्नों में सबसे जरूरी है कि स्थायी कृषि नीति बनानी होगी जिसमें जल संरक्षण, जैविक खेती और छोटे किसानों की सुरक्षा पर बल दिया जाए। युद्ध और संघर्षों का समाधान कूटनीति और संवाद से निकाला जाए, क्योंकि सबसे बड़ी कीमत आम जनता चुकाती है। भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए, और सभी देश एक वैश्विक खाद्य भंडारण व वितरण प्रणाली विकसित करें। गरीबी उन्मूलन पर ठोस योजनाएं बने, ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और भीख या राहत पर निर्भर न रहें। महंगाई पर नियंत्रण, और गरीबों को सब्सिडी आधारित खाद्यान्न व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

एफएओ की रिपोर्ट में एक और भयावह तस्वीर सामने आती है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में कैद है। यदि हमने समय रहते भूख, गरीबी और खाद्य असुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, तो हम विकास के उस नक्शे पर एक गहरा धब्बा छोड़ेंगे, जिसमें ऊंची इमारतें तो होंगी लेकिन उनके नीचे भूख से दम तोड़ते इंसान भी होंगे। 'एक रोटी की कीमत तब समझ आती है, जब भूख कई रातों से जाग रही हो'-इसलिये अब समय है कि हम विकास के मायने बदलें ताकि हर थाली में भोजन हो, हर बच्चा कुपोषण से मुक्त हो, और भूख इतिहास की बात बन जाए, वर्तमान की नहीं। विकास की इक्कीसवीं सदी में भी अगर भुखमरी, कुपोषण एवं खाद्य संकट की समस्या विकराल होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की घंटी है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा करें और भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय किए जाएं।

जगदीप धनखड़ ने जो टेंशन ममता बनर्जी को दी थी वही मोदी को भी देने चले थे

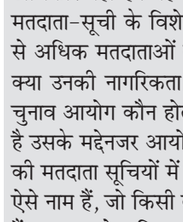

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और संवैधानिक दायित्वों के टकराव का एक दिलचस्प उदाहरण बन गया है। पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में और फिर उपराष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल राजनीतिक विवादों और विचारधारात्मक टकरावों से भरा रहा। 2019 में जब जगदीप धनखड़ को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया, तब से ही उनका कार्यकाल ममता बनर्जी सरकार के साथ लगातार टकरावों से भरा रहा। वह विधानसभा की कार्यवाही से लेकर विश्वविद्यालयों के संचालन तक, हर मोर्चे पर राज्य सरकार पर सवाल उठाते रहे। उन्होंने ममता सरकार की नीतियों और प्रशासनिक फैसलों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणियाँ की थीं। यह सब राज्यपाल के संवैधानिक व्यवहार से भिन्न था। धनखड़ राज्यपाल रहते हुए बार-बार पश्चिम बंगाल सरकार पर संवैधानिक उल्लंघन, प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते रहे। ममता बनर्जी ने इस पर पलटवार करते हुए उन्हें बीजेपी का एजेंट कहा और यह आरोप लगाया कि वह अपने संवैधानिक दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे हैं। मगर तब भाजपा और केंद्र सरकार ने हर बार धनखड़ का खुला बचाव किया और ममता बनर्जी की नाराज़गी को राजनीतिक दुर्भावना बताया था।

2022 में जब जगदीप धनखड़ देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति बने तो यह भाजपा के लिए एक रणनीतिक जीत मानी गई, क्योंकि पार्टी राज्यसभा में एक सख्त और केंद्र के अनुकूल संचालनकर्ता की उम्मीद कर रही थी। लेकिन कुछ ही समय में यह स्पष्ट होने लगा कि धनखड़ इस भूमिका को केवल एक औपचारिक दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहते थे। उन्होंने राज्यसभा की गरिमा की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कई बार कार्यवाही में हस्तक्षेप करते हुए भाजपा सदस्यों तक को संयम की सलाह दी। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में कई ऐसे बयान दिये जोकि सरकार की नीतियों के विपरीत लगते थे। संसद में विपक्ष को बोलने का मौका देने की उनकी प्रतिबद्धता ने भी केंद्र सरकार को असहज किया। जगदीप धनखड़ ने समय-समय पर न्यायपालिका को लेकर भी सार्वजनिक रूप से कई तरह की टिप्पणियां कीं। इससे केंद्र सरकार असहज होने लगी। कई रिपोर्टों में यह भी सामने आया था कि उनकी राय प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय से मेल नहीं खा रही थी।

इस सबके चलते वह भाजपा, जो कभी ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करती थी, अब खुद वैसी ही स्थिति में आ गई थी। अब धनखड़ अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जा रहे हैं, संविधान का मनमाना अर्थ निकाल रहे हैं, जैसे पुराने आरोप नए संदर्भ में भाजपा की तरफ से सुनाई देने लगे थे। पार्टी के अंदरूनी हलकों से पहले भी इस तरह की खबरें आई थीं कि सरकार और उपराष्ट्रपति के बीच समन्वय नहीं बन पा रहा है। अंततः इस असहमति की परिणति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के रूप में हुई, जो यह दिखाता है कि संवैधानिक स्वतंत्रता तब तक ही सहनीय है, जब तक वह सत्ता के हितों के विरुद्ध न जाए।

देखा जाये तो जगदीप धनखड़ के दो कार्यकाल- एक बार राज्यपाल के रूप में ममता बनर्जी को असहज करना और फिर उपराष्ट्रपति के रूप में केंद्र सरकार को चुनौती देना, दिखाता है कि सत्ता कभी भी किसी संवैधानिक पदाधिकारी की 'निष्पक्षता' को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाती। यह मामला भारत के लोकतंत्र में संवैधानिक मर्यादाओं, संस्थागत स्वायत्तता और राजनीतिक हस्तक्षेप के बीच के जटिल रिश्तों को भी उजागर करता है। जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर इसका सबसे सटीक उदाहरण है। दूसरी ओर विपक्ष का दोहरापन भी देखने लायक है। हम आपको याद दिला दें कि विपक्षी दलों ने 10 दिसंबर को राज्यसभा सचिवालय में प्रस्तुत किए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में जगदीप धनखड़ पर तमाम आरोप लगाये थे। यही नहीं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अक्सर आरोप लगाते रहे हैं कि धनखड़ उन्हें सदन में बोलने नहीं देते। वहीं जयराम रमेश ने कहा था कि धनखड़ एक निष्पक्ष अंपायर की तरह नहीं बल्कि सरकार के चीयरलीडर की तरह व्यवहार करते हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने तो संसद परिसर में ही जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की थी और सारे विपक्षी सांसद वह सब देखकर ठहाके लगा रहे थे। यही नहीं, कल्याण बनर्जी की ओर से की जा रही मिमिक्री का राहुल गांधी वीडियो बना रहे थे। लेकिन हैरानी की बात है कि वही सब विपक्षी नेता आज धनखड़ के प्रति अपने रुख में अचानक बदलाव लाते हुए उन्हें किसान पुत्र बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके साथ अन्याय किया गया है। विपक्ष के नेताओं को समझना होगा कि जनता की याददाश्त कमजोर हो सकती है, लेकिन इतनी भी नहीं कि वो इतनी जल्दी भूल जाए कि विपक्षी दल धनखड़ के इस्तीफे से पहले तक उनके बारे में क्या-क्या कह रहे थे।

लकी नंबर के हिसाब से करें ये वास्तु उपाय, बढ़ेगा धन का प्रवाह

अनन्या मिश्रा

घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए व्यक्ति बहुत कुछ करता है। कई स्थानों पर एक साथ काम करता है या फिर तय समय सीमा से ज्यादा काम करता है। जिससे कि वह ज्यादा पैसा कमा सके। वहीं घर की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वह तमाम प्रयास करता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि अधिक मेहनत के बाद भी जितना कमाया होता है, उसकी बचत नहीं हो पाती है, बल्कि पैसा आता भी है और चला भी जाता है। आखिर में व्यक्ति पैसों की तंगी से जूझता है। लेकिन साल 2025 में ऐसा न हो कि इसके लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अपनी लकी नंबर के अनुसार वास्तु का उपाय करना होगा। ऐसे में आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं और फाइनेंशियल ग्रोथ पा सकते हैं।

पैसा बढ़ाने के लिए वास्तु टिप्स

साल 2025 का अंक है 9 यानी कि 2+2+0+5=9 जो कि मंगल ग्रह का प्रतिनिधत्व करता है। ऐसे में आपके जो भी काम साल 2025 में अधूरे रह गए थे वह अब पूरे हो जाएंगे और आपकी धन के मामले में वृद्धि भी होगी।

लकी नंबर 1- साल 2025 में अपने घर में मौजूद सोना, चांदी और यहां तक की पैसों को भी दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। इससे धन में वृद्धि होगी।

लकी नंबर 2- किचन की उत्तर-पूर्व दिशा में रोजाना अलसी के तेल का दीपक जलाएं। इससे धन का प्रवाह बढ़ेगा और धन आकर्षित भी होगा।

लकी नंबर 3- रोजाना पश्चिम दिशा में कपूर जलाएं। इस उपाय को करने से धन बाधित करने वाले दोष दूर होंगे और आय में भी वृद्धि होगी।

लकी नंबर 4- घर के बीचों-बीच में जेड प्लांट स्थापित करें। इससे आपके घर का वास्तु दोष दूर होगा और आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

लकी नंबर 5- आपको अपने घर में कामधेनू की प्रतिमा लगानी चाहिए और रोजाना उसकी पूजा करनी चाहिए। इस उपाय को करने से पैसों की तंगी दूर होगी।

लकी नंबर 6- घर के मुख्य द्वार पर नमक की पोटली बांधे। लेकिन बड़ी पोटली नहीं बांधनी है, बल्कि छोटी सी पोटली बांधनी है।

लकी नंबर 7- घर की दसों दिशाओं में रोजाना लोबान या गुग्गल धूप का धुआ करें। इससे तरक्की के मार्ग में आने वाली बाधाएं दूर होंगी।

लकी नंबर 8- सफेद, हल्के नीले या क्रीम रंग के कपड़ों को अधिक पहनें। यह आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा।

लकी नंबर 9- इन लोगों को अपने घर में बहते हुए जल को दर्शाती हुई तस्वीर को पूर्व दिशा में लगाएं। इस उपाय को करने से रुका हुआ या अटका धन वापिस मिलेगा।

अंतिम एकादश चुनने में गलती तो नहीं कर रहा भारत

कप्तान शुभमन गिल ने दूसरे टेस्ट में जबर्दस्त बल्लेबाजी करके सबका दिल जीत लिया। एजबेस्टन का यह टेस्ट भारत 336 रनों से जीत भी गया। जीतने के बाद टीम की कई कमियां छुप जाती हैं। मुख्य गेदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भारत ने इंग्लैंड को इतने बड़े अंतर से पराजित कर दिया।

आदर्श प्रकाश सिंह

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा कई विवादों व चर्चाओं को जन्म दे रहा है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की टीम 2-1 से पिछड़ गई है। बाकी के दो टेस्ट मैच में क्या अपनी टीम वापसी कर पाएगी, यह एक बड़ा सवाल है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। कोई कुछ कह रहा है तो कोई कुछ। हेड कोच गौतम गंभीर भी निशाने पर हैं। कहा जा रहा है कि उनकी वजह से ही रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्द संन्यास लेने का ऐलान करना पड़ा। यदि ये दोनों टीम में होते तो इंग्लैंड दौरे में हमारी दशा कुछ बेहतर होती। रोहित तो नहीं लेकिन विराट की कमी वास्तव में महसूस की जा रही है। मैदान पर उनका आक्रामक अंदाज विरोधी टीम के हौसले पस्त करने के लिए काफी होता है। खैर, अब जब वह टीम में नहीं है तो इस बात को यहीं विराम देते हुए अन्य बातों पर चर्चा करते हैं।

कप्तान शुभमन गिल ने दूसरे टेस्ट में जबर्दस्त बल्लेबाजी करके सबका दिल जीत लिया। एजबेस्टन का यह टेस्ट भारत 336 रनों से जीत भी गया। जीतने के बाद टीम की कई कमियां छुप जाती हैं। मुख्य गेदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भारत ने इंग्लैंड को इतने बड़े अंतर से पराजित कर दिया। संयोग देखिए कि बुमराह अभी तक जिन दो टेस्ट मैचों में खेले उसमें भारत हार गया। लार्ड्स टेस्ट में पराजय के बाद भारतीय टीम की खूब आलोचना हो रही है। दरअसल, यह मैच भारत को जीतना चाहिए था। 193 का लक्ष्य बहुत मुश्किल नहीं था लेकिन हमारे बल्लेबाजों ने मानसिक दृढ़ता नहीं दिखाई। यह कमजोरी बहुत भारी पड़ी। विदेशी दौरों में भारत ने पहले भी बहुत कम अंतर से मैच गंवाए हैं। चौथे दिन शुरुआत खराब रही। चार विकेट गिरने से टीम इंडिया गहरे दबाव में आ गई। इससे उबरने का कोई तरीका उनके पास नहीं था। कप्तान गिल का खुद सस्ते में आउट हो जाना आत्मघाती साबित हुआ।

ऐसे मौके पर मैच के अंतिम दिन रवींद्र जडेजा ने साहसिक पारी खेली लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही। 22 रन से मैच हारने पर सभी को पीड़ा हुई। जडेजा का साथ देने के लिए पुछल्ले बल्लेबाज बुमराह और सिराज बचे थे। इन्होंने भरसक प्रयास भी किया, मगर जीत इंग्लैंड के नाम लिखी थी। इसीलिए इस खेल में भाग्य का बड़ा

योगदान माना जाता है। किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया। वर्ना भारत 2-1 से आगे होता। हमारी टीम अंग्रेजों को कड़ी टक्कर तो दे रही है, पर नतीजा अपने पक्ष में नहीं कर पा रही है। इंग्लैंड टीम अपनी धरती पर खेल रही है। इसका लाभ उसे मिल रहा है।

एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतिम एकादश चुनने में कहीं भारत से गलती तो नहीं हो रही है? बल्लेबाजी मजबूत करने के चक्कर में हम एक विशेषज्ञ गेंदबाज को बाहर बैठाए हुए हैं। मैं कुलदीप यादव की बात कर रहा हूं। कुलदीप का हालिया प्रदर्शन काफी बढ़िया रहा है। इंग्लैंड दौरे के लिए उनका चयन भी इसी वजह से हुआ। मगर, अंतिम एकादश में उनके लिए जगह नहीं बन रही। स्पिन गेंदबाज के तौर पर जडेजा और यहां तक कि वाशिंगटन सुंदर को उन पर तरजीह दी गई। जबकि हम देख रहे हैं कि जडेजा विकेट लेने में असफल साबित हो रहे हैं। वह बल्लेबाजी के दम पर टीम में बने हुए हैं। कुलदीप एक विशेषज्ञ स्पिनर है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कुलदीप कारगर साबित होते। 2021 के इंग्लैंड दौरे में भी हमने अपने मुख्य स्पिन गेंदबाज अश्विन को बाहर बैठाए रखा। उन्हें किसी भी मैच में नहीं उतारा गया। यही हाल अब कुलदीप यादव के साथ हो रहा है। लगता है, वह बिना कोई मैच खेले स्वदेश लौट आएंगे।

करूण नायर को लेकर खूब चर्चा हो रही है। अब तक की छह पारियों में उनका प्रदर्शन दमदार नहीं रहा है। उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने के बाद देश ने नायर से बहुत उम्मीद लगाई थी। पर, वह इस पर खरे नहीं उतरे हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आने वाले को ठोस पारी खेल कर टीम को मजबूती देनी चाहिए। नायर को अब और मौका दिया जाए या उनकी जगह युवा साई सुदर्शन को लाया जाए? यह सवाल हवा में तैर रहा है। कप्तान और कोच को इस पर मंथन करना होगा। इस बीच चोटिल खिलाड़ियों की सूची में आकाशदीप और अर्शदीप के नाम भी शामिल हो गए हैं। ऋषभ पंत पहले ही चोटिल हैं। बुमराह के वर्कलोड को लेकर समस्या बरकरार है। वह कौन सा एक और टेस्ट खेलेंगे, इस पर संशय बना हुआ है।

यह दौरा भारत के लिए नई टीम खड़ी करने के लिहाज से अहम है। नए कप्तान के हाथों में नई जिम्मेदारी है। हाथ आए मौके भुनाने होंगे तभी हम अंग्रेज टीम को परास्त कर पाएंगे। पहले टेस्ट में भारतीयों ने अनेक कैच छोड़े। यह लापरवाही टीम पर भारी पड़ रही है। क्रिकेट का खेल मैदान के अलावा मन से भी खेला जाता है। टीम इंडिया को दिलेरी दिखाने की जरूरत है। एजबेस्टन में जो करके दिखाया उस जज्बे को बरकरार रखिए। सीरीज में वापसी करने का मौका है। जीते या हारें पर, जान लड़ा कर खेलिए। आप इतिहास रचेंगे तो देश वाहवाही अवश्य करेगा।

थाने के बाहर युवक ने पेट्रोल डालकर लगाई आग

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

बहन-बहनोई से मकान को लेकर था विवाद, पीड़ित पर कराई थी प्राथमिकी

बहन -बहनोई की प्रताड़ना से तंग आकर एक युवक ने हजीरा थाने के सामने पेट्रोल डालकर स्वयं आग लगा ली। आग लगने पर पुलिस कर्मियों ने दौड़कर युवक को आग की लपटों से बचाया और चिकित्सालय ले गए। युवक की हालत गंभीर बताई गई है। युवक के मकान पर बहन -बहनोई जबरन कब्जा करना चाहते हैं और उस पर प्राथमिकी भी करा दी थी।

हजीरा थाना क्षेत्र स्थित लाइन नम्बर एक बिरलानगर निवासी आकाश तिवारी 30 वर्ष गुरुवार की दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब हजीरा थाने पहुंचा और अपने जीजा शिवशंकर पाठक और पड़ोसी द्वारा बिना वजह परेशान करने की शिकायत की। लेकिन पुलिस ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की। पुलिस द्वारा सुनवाई न करने से आकाश काफी दुखी हो गया और उसने आत्महत्या करने के इरादे से अपने ऊपर पेट्रोल छिड़का और आग लगा ली। जैसे ही थाने में मौजूद स्टाफ को आकाश के आग लगाने का पता चला वह दौड़कर आए और उसे किसी तरह आग की लपटों से बचाया। जब तक

आकाश के शरीर से उठ रही चिंगारी को बुझाया वह काफी जल चुका था। आनन-फानन में आग से झुलसे आकाश को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी हालत नाजुक बताई गई है। आकाश और उसकी बहन भारती अपने पति शिवशंकर पाठक के साथ रहती है। दोनों के बीच मकान बेचने को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा है। आकाश मकान को बेचना नहीं चाहता है जबकि उसका जीजा शिवशंकर मकान को बेचने के लिए प्रयासरत है और इसी बात को लेकर दोनों में पिछले वर्ष झगड़ा हो गया था। आकाश और उसकी पत्नी आरती ने बहनोई की शिकायत की थी, वहीं बाद में शिवशंकर ने भी आकाश पर क्रास प्राथमिकी दर्ज करा दी थी। आकाश बोलने की स्थिति में नहीं है और पुलिस ने उसके बयान दर्ज नहीं किए हैं।

इनका कहना है

आकाश मल्लगढ़ा तिराहे पर पेट्रोल छिड़ककर थाने के अंदर आया और उसने ऊर्जा डेस्क के सामने आग लगा ली थी। थाने में वह किसी गुर्जर को पूछ रहा था अभी कोई कार्रवाई नहीं की है।

शिवमंगल सिंह सेंगर
हजीरा, थाना प्रभारी

मलेरिया विभाग की लापरवाही से मरीं गंबूजिया मछलीं

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जिले में जगह-जगह हो रहा जलभराव के कारण डेंगू व मलेरिया का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। मलेरिया विभाग के पास गंबूजिया मछली तक उपलब्ध नहीं है। यह मछली डेंगू के मुख्य वाहक मच्छरों के लार्वा को खा जाती है और प्राकृतिक रूप से उनके प्रजनन को रोकने में मदद करती है।

जानकारी के अनुसार गंबूजिया मछली, जिसे मॉस्कीटो फिश भी कहा जाता है। उक्त मछली को मलेरिया विभाग द्वारा स्टोर कर रखा जाता है। लेकिन उचित देखरेख, ऑक्सीजन और पानी की सफाई की व्यवस्था न होने के कारण कई मछलियां मर गईं। गांधी रोड स्थित नियमित रूप से उन्हें भोजन देने या पानी बदलने नहीं आ रहा था। नतीजा ये हुआ कि मछलियां दम तोड़ गईं। यह स्थिति तब है जब गंबूजिया मछली डेंगू नियंत्रण के लिए बेहद कारगर मानी जाती है और इसके बिना मच्छर-जनित बीमारियों से लड़ाई कमजोर पड़ती है। हालांकि मलेरिया विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि शासन से बजट मिलने पर जल्द ही मछली को खरीदा जाएगा।

लार्वा को नष्ट करती है मछली

डेंगू का मुख्य कारण एडीज मच्छर होता है, जो साफ पानी में पनपता है।

नशे में धुत फौजी की शर्मनाक हरकत, महिला यात्री की सीट के पास कर दी लघुशंका

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

विशाखापट्टनम से हजरत निजामुद्दीन जा रही एपी एक्सप्रेस में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात एक शर्मनाक घटना घटित हुई। कोच बी-5 की बर्थ संख्या 28 पर झांसी से दिल्ली जा रही महिला यात्री आरती यात्रा कर रही थीं। रात का समय होने के कारण कोच में सभी लाइटें बंद थीं और यात्री गहरी नींद में थे। इसी दौरान विजयवाड़ा से दिल्ली की ओर सफर कर रहा एक फौजी विजय कुमार जो कि नशे में धुत था, अंधेरे में महिला यात्री की सीट के पास ही पेशाब कर बैठा। महिला की नींद उस समय टूटी जब उन्हें अपनी सीट के पास किसी के खड़े होने और गंध आने का एहसास हुआ। जब उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति खुलेआम पेशाब कर रहा है, तो वे घबरा गईं और शोर मचा दिया। कोच में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ऑन ड्यूटी टीटीई मौके पर पहुंचे और पूरी जानकारी लेने के बाद आरोपी फौजी को अगले स्टेशन ग्वालियर पर ट्रेन से उतार दिया गया। वहां रेल सुरक्षा बल ने उसे हिरासत में लिया और रेल अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

हत्यारोपी के घर चलाई गोली, दरवाजे में धंसी

ग्वालियर। हजीरा थाना क्षेत्र में रात के समय बदमाश ने गोली चला दी। गोली भोला सिकरवार हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी लाला कमरिया के घर को निशाना बनाकर चलाई। दरवाजे में गोली धंस गई है। गोली चलाने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आरोपी की तलाश में दबिश देना शुरु कर दिया है। नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा नागेन्द्रसिंह सिकरवार ने बताया कि चौहान क्रेन चंदनपुरा निवासी कमला पत्नी जंडेल यादव रात को अपने घर में थी, तभी गोली चलने की आवाज सुनाई देने पर वह घर से बाहर निकलकर आई। दरवाजे में गोली धंसी देखकर वह घबरा गई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बताया गया है कि गोली भोला सिकरवार हत्याकांड में आरोपी लाला कमरिया के घर बाबू उर्फ अंश राय ने चलाई है। कमला यादव को आरोपी ने फोन करके स्वयं गोली चलाने की सूचना दी थी। बताया गया है कि अंश के परिवार के बारे में कुछ कहने पर उसने गोली चलाई है। पुलिस ने कमला यादव की शिकायत पर अंश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

हुरावली तिराहे पर मामूली से विवाद पर गोलीबारी

जेल से छूटकर आए बदमाश ने साथियों के साथ चलाई गोलियां

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

शहर में कानून व्यवस्था का बदमाशों ने मजाक बना दिया है। मामूली से विवाद पर लोग गोली चलाने से नहीं चूक रहे हैं, हुरावली तिराहे पर मामूली से विवाद पर रंगदारी करने वालों ने गोलियां चलाईं तो दुकानदार ने भी जवाब में गोलियां चला दीं। गोलीबारी में एक राहगीर सहित तीन लोग घायल हो गए। गोली लगने से घायल बदमाश एक दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था। गोली चलाकर भागे बदमाशों की तलाश में पुलिस उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सिरोल थाना प्रभारी गोविंद बगोली ने बताया कि हुरावली तिराहे पर प्रमोद पाल की साधु मिष्ठान भंडार नाम से मिठाई की दुकान है। बुधवार रात को प्रमोद पाल की दुकान के पास सौरभ गुर्जर निवासी बलवंत नगर, अभिषेक उर्फ रौविल, धीरज गौड़, अंजू जाटव निवासीगण फूटी कॉलोनी हुरावली और आकाश खड़े होकर बात कर रहे थे। दुकान से हटने की बात कहने पर प्रमोद से युवकों का विवाद हो गया था। दोनों पक्ष में ताबड़तोड़ गोलियां चलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रमोद पाल की लायसेंसी बंदूक से चली गोली लगने से धीरज गौड़, अंजू जाटव और राहगीर कृष्णा शर्मा घायल हो गए थे। बताया गया है कि अंजू जाटव जेल से एक दिन पहले ही छूटकर आया था। गोलीबारी की घटना से क्षेत्र में दहशत है और सुबह से ही लोगों में गोलीबारी की चर्चा होती रही। सूत्रों की मानें तो प्रमोद का घरेलू विवाद भी चल रहा है और उसके भाई की पास ही में मिठाई की दुकान है। पुलिस ने फरार बदमाशों की तलाश में उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दी लेकिन उनका सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने क्रास प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

दुकान के सामने खड़े होने पर हुआ था विवाद

सेवानिवृत्त फौजी की पत्नी बाल-बाल बची

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो जिस समय दोनों पक्षों में गोलियां चल रही थीं ठीक उसी समय फौजी संजय की पत्नी बाजार सामान लेने के लिए घर से निकली थी। गोलियां चलते ही वह जान बचाकर भागीं, लेकिन वह गिर गईं। किसी तरह वह उठीं और भागकर अपनी जान बचाई। जिस समय में गोलियां चलीं तिराहे पर कई लोग आ जा रहे थे।

बदमाशों का आपराधिक रिकार्ड

अंजू उर्फ नीतेश पुत्र प्रीतम गुर्जर निवासी फूटी कॉलोनी पर सिरोल में 4 और विश्वविद्यालय थाने में 4 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। अभिषेक पर सिरोल में 2 और धीरज पर सिरोल में 3 व विश्वविद्यालय थाने में एक प्रकरण पंजीबद्ध है। सौरभ आकाश भी शातिर बदमाश है।

इनका कहना है

दुकान के बाहर खड़े युवकों को हटने की बात बुरी लग गई और उन्होंने कट्टों से गोलियां चला दी थीं। दूसरे पक्ष ने भी लायसेंसी बंदूक से गोलियां चलाईं। गोली लगने से घायल हुए तीनों लोगों का उपचार किया जा रहा है।

गोविंद बगोली
थाना प्रभारी, सिरोल

हरियाली अमावस्या पर रोपे पौधे और निकाली जागरू

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

हरियाली अमावस्या का पर्व गुरुवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा मनाया गया। इस दिन जगह-जगह पौधरोपण हुआ और जागरूकता रैली भी निकाली गई।

● जन सहयोग जन कल्याण बहुउद्देशीय समिति द्वारा 300 पौधों का रोपण किया गया। इस दिन गिर्राज मंदिर चार शहर का नाका से रैली निकाली गई। इस मौके पर डॉ. रश्मि मिश्रा, प्राचार्य बीएल अहिरवार, ओमकार सिंह भदौरिया, उमेश कुशवाह, शशि सिंह, राजेंद्र सिंह नाती, रतिराम यादव, रमेश सिंह तोमर, सत्यबीर सिंह तोमर आदि शामिल रहे।

● संत आशाराम बापू के भक्तों ने आनंद नगर में हरियाली अमावस्या पर्व पर हरिनाम प्रभात फेरी निकाली। रास्ते भर श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा और माल्यार्पण कर स्वागत में जल, फल, मिष्ठान इत्यादि वितरण कराया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी बलबीर सिंह परमार ने दी।

● सर्वे भवन्तु सुखिन समिति द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उटीला सेक्टर के सौंसा पंचायत हाईस्कूल परिसर में 11 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर राजकुमार प्रजापति एवं विद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

● हरियाली अमावस्या के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर ग्राम से सखियां मंगल कलश श्रीफल के साथ कुंआ, तालाब या नदी से पूजन कर कलश यात्रा प्रारंभ करेंगे। इसी परिपेक्ष में गुरुवार को नवांकुर संस्था श्री जिम्मी पाल सेवा समाज कल्याण समिति आरोली द्वारा कुआं से पूजन कर मंगल गान करते हुए शोभा यात्रा निकाली गई। इसके बाद सखियों को पौध वितरण किया गया और कहा गया कि आपको अपने आवास के पास 11 पौधे लगाने हैं। जिससे हमारा प्रदेश

तिघरा डैम पर किया पौधरोपण

सफल युवा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत तिघरा डैम में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सोमेश महंत उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर अरविंद कुशवाहा, अंजू भदौरिया, रश्मि त्रिपाठी, संतोष कुमार शर्मा, मनीष शर्मा और चरण सिंह आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती प्रांगण में पीपल के पौधे का रोपण

मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में हरियाली महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरस्वती प्रांगण में पीपल के पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक, डॉ. कमल कुमार जैन, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. वंदना सेन, डॉ. शालिनी पांडे, कु. निशी श्रीवास्तव, कु. शिवानी उपाध्याय, प्रशांत पांडे उपस्थित रहे। पौधरोपण करते समय संजय त्रिवेदी द्वारा पूजा अर्चना एवं मंत्रो का भी उच्चारण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुनील पाठक ने हरियाली महोत्सव के बारे में जानकारी प्रदान की।

तीन गांवों में छापा,1000 किलो गुड़ लहान और 35 लीटर हाथभट्ठी मदिरा बरामद

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

अवैध मदिरा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डबरा और पिछोर क्षेत्र में आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेशानुसार आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त राकेश कुर्मी के मार्गदर्शन में आबकारी बल ने गुंजार, बढ़ेरा, और लखनौति गांवों में दबिश दी, जहां से लगभग

1000 किलो गुड़ लहान, 35 लीटर हाथभट्ठी मदिरा, और मदिरा बनाने के उपकरण बरामद किए गए। इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) और 34(1)के तहत कुल 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।आबकारी विभाग की इस सख्त कार्रवाई में ग्वालियर कंट्रोल रूम प्रभारी राजेश तिवारी, उपनिरीक्षक शिवा रघुवंशी, सतेंद्र सिंह मीना, सुचि जैन, और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सुपर स्पेशलिटी की खामियों को दूर करने तैयार होगा प्रस्ताव

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं और खामियों को लेकर अब प्रशासन सक्रिय हो गया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. जीएस गुप्ता को निर्देशित किया है कि अस्पताल में मौजूद कमियों को सूचीबद्ध कर उसका विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए। अस्पताल की पहली मंजिल से लेकर छठवीं मंजिल तक लगभग हर तल पर फॉल सीलिंग या तो टूटकर गिर चुकी है या फिर अधर में अटकी हुई है। ऐसे में नेफ्रोलॉजी के वार्ड में भी चिकित्सक उन्हीं मरीज को भर्ती कर रहे हैं जिन्हें भर्ती करने की अधिक आवश्यकता है। फॉल सीलिंग गिरने के कारण वहां लगी कई जगह की लाइट भी गिर कर फूट चुकी है या खराब हो गई है। भवन में कहीं-कहीं टाइल्स भी टूट गए हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने अधीक्षक को कहा है कि हर मंजिल की कमियों का मूल्यांकन कर उनकी रिपोर्ट बनाई जाए। इस प्रस्ताव को आगे स्वास्थ्य विभाग और निर्माण एजेंसी को भेजा जाएगा, ताकि आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्यों के लिए बजट स्वीकृत हो सके। हालांकि देखना यह है कि प्रस्ताव बनने के बाद प्रशासन वास्तविक मरम्मत और पुनर्निर्माण की दिशा में कितना तेजी से कदम उठाता है, या फिर यह भी केवल कागजों में दब कर रह जाता है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में 7 साल से अधूरा है स्वीमिंग पूल का सपना

फाइल बंद मुद्दा जिंदा

डॉ. प्रदीप बौहरे ▸ ग्वालियर

सात साल पहले 2018 में जीवाजी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वीमिंग पूल का सपना दिखाया गया था, लेकिन यह सपना अब तक अधूरा ही है। अधूरा रहने की कई वजह हैं, कभी इसकी जगह बदली गई, कभी स्वीमिंग पूल की बनावट पर आरोप लगे और जांच हुई। अब वित्तीय व्यवस्था में यह मामला उलझा हुआ है। अब स्वीमिंग पूल का यह सपना कब पूरा होगा, इस बारे में विश्वविद्यालय प्रबंधन से जुड़ा कोई भी अधिकारी बताने को तैयार नहीं है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में स्वीमिंग पूल बनाए जाने की योजना वर्ष 2018 में बनाई गई थी, इसी साल में स्वीमिंग पूल बनाने के लिए खेल मैदान के एक हिस्से में भूमि पूजन भी कर दिया गया। इसके बाद कुछ दिनों तक भूमि पूजन का पत्थर ही लगा रहा। फिर अचानक स्वीमिंग पूल की जगह बदल दी गई, इसे खेल मैदान के स्थान पर फॉर्मेसी विभाग के पीछे बनाने का निर्णय किया गया। यहां भी भूमिपूजन हुआ और स्वीमिंग पूल के निर्माण का काम तेजी से शुरू हो गया। कोराना काल के बाद यह निर्माण कार्य दोबारा शुरू हुआ। तेजी से काम हुआ और इस स्वीमिंग पूल के लिए तय राशि 4.70 करोड़ रुपए का बजट खत्म हो गया, ऐसा निर्माण एजेंसी पीआईयू द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय प्रबंधन को बताया किया। बाकी काम शुरू करने के लिए लगभग 1.60 करोड़ रुपए की राशि की और मांग की गई। अब इसी राशि के फेर में निर्माण कार्य पिछले छह माह से पूरी तरह से बंद पड़ा है। इसको लेकर कई बार पीआईयू और जीवाजी विश्वविद्यालय के अधिकारियों के बीच बातचीत हो चुकी है लेकिन निराकरण नहीं हो सका।

वर्तमान स्थिति

यह था सपना

देरी से विद्यार्थियों का नुकसान: जीवाजी विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षण संस्थान भी स्थित है, यहां पर विद्यार्थियों को बीपीएड और एमपीएड का कोर्स कराया जाता है। यहां के विद्यार्थियों को स्वीमिंग पूल की आवश्यकता थी। अभी यहां के विद्यार्थी अन्य संस्थानों में प्रेक्टिस करने के लिए जाते हैं। अगर यह स्वीमिंग पूल शुरू हो जाता तो अंचल के जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध विद्यार्थियों को भी एक सुविधा प्राप्त हो जाती।

इनका कहना है

इस संबंध में प्रक्रिया जारी है। बातचीत की जा रही है। जल्द ही निराकरण कर लिया जाएगा।

प्रो. राकेश कुशवाह
कुलसचिव, जीवाजी विवि

विवाह का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

ग्वालियर। जनकगंज थाना क्षेत्र में युवती को विवाह का झांसा देकर युवक ने दुष्कर्म कर दिया। जब युवती ने बेटी को जन्म दिया तो आरोपी युवक ने विवाह से इनकार कर दिया। पांच वर्ष तक साथ रहने के बाद विवाह से इनकार करने वाले युवक की पीड़िता ने शिकायत की है।

चम्बल गेट निवासी 26 वर्षीय युवती की दो वर्ष पहले विक्की पुत्र नंदकिशोर चौहान निवासी अयोध्या नगरी कॉलोनी गोल पहाड़िया से पहचान हुई। इसके बाद उसने युवती को विवाह का झांसा देकर उसके साथ 1 जनवरी 2020 को दुष्कर्म कर दिया। बताया गया है कि युवती ने एक बेटी को जन्म दिया। वह लगातार विक्की से विवाह की कहती तो वह हर बार बाद में विवाह करने की कहकर गुमराह कर देता था। मार्च माह में पीड़िता से विक्की ने विवाह करने से इनकार कर दिया। जब काफी प्रयास और बेटी के जन्म के बाद विक्की नहीं माना तो उसने पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने विक्की के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

दुष्कर्म कर युवती को दी धमकी: विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में युवती के साथ युवक ने दोस्ती करने के बाद दुष्कर्म कर दिया और जान से मारने की धमकी दे डाली। हरगोविंदपुरम निवासी 28 वर्षीय युवती का शैलेन्द्र पुत्र श्रीकृष्ण मिश्रा निवासी राजपूत बोर्डिंग के बगल वाली गली ने 30 मार्च को दुष्कर्म कर दिया। पीड़िता को आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दे डाली।

थिएटर में छाई फिल्म सैयारा, बिना बड़े स्टार और प्रमोशन के बनी हिट

ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन बोले- युवाओं से जुड़ना जरूरी हो गया है

नई दिल्ली। मोहित सूरी की फिल्म सैयारा को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो चुके हैं। हर रोज इसकी कमाई में लगातार इजाफा हो रहा है। साथ ही दर्शक फिल्म देखने थिएटर में पहुंच रहे हैं। ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन का कहना है कि आज के समय में बहुत जरूरी है कि युवा वर्ग से जुड़ा जाए। इन दिनों फिल्मों की सफलता काफी हद तक प्रमोशन पर ही निर्भर करती है। ऐसा माना जाता है कि जितना ज्यादा प्रमोशन होगा, उतनी ही फिल्म की जानकारी दर्शकों तक पहुंचेगी। इसके अलावा सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर्स के साथ मिलकर फिल्मों के गानों के रील्स बनवाना भी प्रमोशन का एक अहम हिस्सा बन गया है। लेकिन सैयारा फिल्म के साथ ये सब नहीं हुआ। न तो इसका कोई बड़ा प्रमोशन किया गया, न ही कोई इंटरव्यू हुआ। अतुल मोहन ने कहा कि सिनेमा का असली दर्शक आज का युवा वर्ग ही है। हाल के समय में ऐसा कंटेंट बनाया जा रहा था जो युवाओं से जुड़ नहीं पा रहा था। लेकिन इस फिल्म के जरिए आज की पीढ़ी न सिर्फ फिल्म से बल्कि इसके गानों से भी जुड़ाव महसूस कर रही है। जहां तक प्रमोशन की बात है, एक शहर से दूसरे शहर जाकर प्रचार करना अब पुराना ट्रेंड बन चुका है।

सलमान संग रिश्ते पर कहा था- कुछ बातें छुपाकर रखना जरूरी, पेरेंट्स को हमारी फिक्र रहती है

यूलिया वंतूर का 45वां जन्मदिन

नई दिल्ली। सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर का बॉलीवुड में करियर बनाने का कोई प्लान नहीं था। वो रोमानिया में ही अपने करियर को संवार रही थीं, लेकिन सलमान खान से डबलिन में 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग के दौरान हुई मुलाकात हुई के बाद उन्होंने मुंबई आने का फैसला किया। बताया जाता है कि सलमान खान ने ही यूलिया वंतूर को मुंबई बुलाया था। 2011 में यूलिया अपने बॉयफ्रेंड के साथ मुंबई आईं, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद सलमान खान ने उनकी बहुत मदद की।

सलमान खान और यूलिया वंतूर के बीच कई सालों से अफेयर की

खबरें चल रही हैं। दोनों को कई बार साथ में इवेंट्स, पार्टीज और फैमिली फंक्शन्स में देखा गया है। यहां तक कि यूलिया लॉकडाउन के दौरान सलमान के साथ उनके फार्महाउस पर

यूलिया वंतूर के पापा के बर्थडे में पहुंचे थे सलमान

2024 में सलमान खान दुबई में यूलिया वंतूर के पापा के बर्थडे सेलिब्रेशन में पहुंचे थे। यूलिया ने सोशल मीडिया पर बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की थीं। उसी दौरान सलमान ने दुबई में अपने दबंग रीलोडेड टूर के लिए परफॉर्म किया था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से धमकियां मिलने के बाद सलमान खान का वह पहला ग्लोबल टूर था।

रहीं। दोनों की शादी के चर्चे अक्सर होते रहते हैं, लेकिन दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। वैसे यूलिया वंतूर की शादी को लेकर दावा किया जाता है कि उनकी शादी रोमानियाई ग्रैमी-नॉमिनेटेड सिंगर मारियस मोगा से हुई थी।

यूलिया अपने माता-पिता की इकलौती बेटी हैं। वह कहती हैं- मेरे पेरेंट्स मुझे लेकर काफी केयरिंग और प्रोटेक्टिव हैं। जब वे मेरी प्राइवेट लाइफ के बारे में कुछ ऐसी बातें सुनते हैं तो वे परेशान हो जाते हैं।

रोमानिया की बड़ी शख्सियत रहीं

यूलिया वंतूर ने महज 15 साल की उम्र से ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। यूलिया को रोमानिया में सबसे लोकप्रिय और लंबे समय तक ब्रॉडकास्ट होने वाले लाइव टीवी शो में से एक के को-प्रेजेंटर की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। इसके बाद उन्होंने प्राइम टाइम और वीकेंड न्यूज प्रेजेंटर के रूप में काम किया। उन्हें टेलीविजन में अपने काम के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। यूलिया को उन कुछ टीवी सितारों में से एक माना जाता है जो केवल लाइव शो प्रेजेंट करने में माहिर हैं। यूलिया वंतूर की सलमान खान से पहली मुलाकात 2010 में डबलिन में हुई थी। उस वक्त सलमान खान वहां फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे।

हर हफ्ते 8-10 करोड़ रुपए

बिग बॉस 19 के लिए सलमान खान को 120-150 करोड़ रुपए मिल सकते हैं

नई दिल्ली। रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' 30 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर शुरू हो सकता है। इस बार शो डिजिटल-फर्स्ट होगा, यानी नए एपिसोड पहले OTT पर आएंगे और करीब डेढ़ घंटे बाद कलर्स टीवी पर दिखाए जाएंगे।

इस बार का सीजन पहले की तुलना में ज्यादा लंबा होगा। बताया जा रहा है कि यह सीजन 5 महीने तक चलेगा। पहले तीन महीने सलमान खान शो को होस्ट करेंगे और आखिरी दो महीनों में गेस्ट होस्ट लाए जाएंगे। शो में बाद में फराह खान, करण जौहर और अनिल कपूर जैसे सितारे गेस्ट होस्ट के तौर पर नजर आ सकते हैं। एक सूत्र ने बताया कि सलमान को हर हफ्ते करीब 8 से 10 करोड़ रुपए मिलेंगे। कुल मिलाकर उनकी फीस 120 से 150 करोड़ रुपए तक हो सकती है।

इससे पहले बिग बॉस 18 के लिए सलमान को 250 करोड़ रुपए और बिग बॉस 17 के लिए 200 करोड़ रुपए मिले थे। ये दोनों सीजन टीवी पर प्रसारित हुए थे। वहीं, बिग बॉस ओटीटी 2 के लिए उनकी फीस 96 करोड़ रुपए थी। इस बार ओटीटी पर प्राइमरी स्ट्रीमिंग होने के कारण, शो का बजट पहले से छोटा रखा गया है।

सलमान का शो 'बिग बॉस' डच शो 'बिग ब्रदर' के फॉर्मेट पर आधारित है। भारत में इसकी शुरुआत 3 नवंबर 2006 को हुई थी। सलमान का शो 'बिग बॉस' डच शो 'बिग ब्रदर' के फॉर्मेट पर आधारित है। भारत में इसकी शुरुआत 3 नवंबर 2006 को हुई थी।

सूत्र ने बताया कि चूंकि शो पहले OTT पर रिलीज होगा और फिर टीवी पर, इसे OTT एक्सटेंशन की तरह ही माना जा रहा है। इसीलिए सलमान की फीस इस बार बिग बॉस OTT 2 से ज्यादा है, लेकिन टीवी वर्जन जितनी नहीं। हालांकि, अभी तक कंटेस्टेंट्स के नाम तो कन्फर्म नहीं हुए हैं, लेकिन करीब 20 सेलेब्स के नाम चर्चा में हैं। इनमें गौतमी कपूर, धीरज धूपर, अलीशा पंवार, खुशी दुबे, गौरव तनेजा, मिस्टर फैसू, अपूर्वा मुखिजा, पूरव झा, गौरव खन्ना, धनश्री वर्मा, श्रीराम चंद्रा, अर्शिफा खान और मिक्की मेकओवर जैसे नाम शामिल हैं।

बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ काम करने को लेकर उत्साहित चित्रांगदा सिंह, जताई खुशी

अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ दिनों से फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अपूर्व लाखिया को सौंपी गई है। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब चित्रांगदा ने पहली बार सलमान के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की है। आइए जानें उन्होंने क्या कहा।

रिपोर्ट के अनुसार, चित्रांगदा ने बताया कि वह फिल्म में शामिल होने पर बेहद खास महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि मिस्टर खान कहते थे कि हमें साथ काम करने का मौका जरूर मिलेगा और आखिरकार अब ऐसा हो रहा है। जैसे कि सलमान कहते हैं, एक बार मैंने कमिटमेंट कर दी तो मैं अपने आप की भी नहीं सुनता। मुझे लगता है कि उन्होंने उस कमिटमेंट का सम्मान किया है।

बैटल ऑफ गलवान के निर्देशक अपूर्व लाखिया हैं, जिन्होंने साल 2003 में आई फिल्म मुंबई से आया मेरा दोस्त के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म की कहानी साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। यह फिल्म किताब इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3 के एक अध्याय पर आधारित होगी, जिसे शिव अरूर और राहुल सिंह ने लिखा है। सलमान फिल्म में कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें वह भारतीय सेना की वर्दी पहने दिखेंगे।

एक्टिंग से सिंगिंग तक, एक्ट्रेस के करियर पर लगा 'ब्रेक'

रागेश्वरी लूंबा 90 के दशक की ऐसी कलाकार रहीं, जो एक्टिंग के साथ-साथ गायकी में भी बराबर का दखल रखती थीं। देखने में सुंदर, चुलबुली सी ये अदाकारा सैफअली खान और सुनील शेट्टी जैसे स्टार्स के साथ पर्दे पर दिखीं और कई दिलों की धड़कन बन गईं। मुंबई में 25 जुलाई 1977 को जन्मीं 'राग्ज' बचपन से ही शोबिज और ग्लैमर की दुनिया की ओर आकर्षित थीं। छोटी उम्र में मॉडलिंग शुरू करने वाली रागेश्वरी को 22 साल की उम्र में अपने पहले पॉप एल्बम 'दुल्हनिया' से रातोंरात स्टारडम मिला। इस एल्बम में उनकी गायकी के साथ-साथ अभिनय ने भी दर्शकों को दीवाना बना दिया।

इसके बाद रागेश्वरी ने साल 1997 में अपने एल्बम 'वाई 2के साल दो हजार' से पॉप म्यूजिक में धमाल मचाया, जो हिट रहा। इसके बाद 'दुनिया' और 'सात समुंदर पार' जैसे एल्बम ने उनकी लोकप्रियता को और भी बढ़ाने का काम किया। उनकी मधुर आवाज और अनोखा अंदाज युवाओं के बीच खूब पसंद किया गया। गायकी के साथ-साथ रागेश्वरी ने बॉलीवुड में भी कदम रखा। रागेश्वरी ने 'आंखें' में सुनील शेट्टी के साथ तो सैफ अली खान के साथ 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उनकी खूबसूरती और अभिनय ने उन्हें उस दौर की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल किया। टेलीविजन पर भी रागेश्वरी ने अपनी छाप छोड़ी। 'बिग बॉस 5', 'झलक दिखला जा', और 'नच बलिए 3' जैसे शो में भी अपनी मौजूदगी दिखाई।

रागेश्वरी का करियर ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन साल 1999 में उनकी जिंदगी में एक दुखद मोड़ आया, जब उन्हें 'बेल्स पाल्सी' नामक बीमारी का सामना करना पड़ा। इस बीमारी ने उनके चेहरे की नसों को प्रभावित किया, लेकिन रागेश्वरी ने हार नहीं मानी। उन्होंने न केवल इस बीमारी से उबरकर पूरी तरह ठीक होने का जज्बा दिखाया, बल्कि अपने अनुभव का इस्तेमाल बेल्स पाल्सी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी किया। इस हादसे ने उनके करियर पर ब्रेक लगा दिया।

रागेश्वरी लूंबा ने एक इवेंट में इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि साल 2000 में उन्हें चेहरे के पक्षाघात (बेल्स पाल्सी) का सामना करना पड़ा, जिसने उनका जीवन पूरी तरह से बदल दिया। इस मुश्किल दौर में उन्होंने योग को अपनाया, जिससे न केवल उनके शरीर, बल्कि मन और आत्मा को भी नई दिशा मिली। रागेश्वरी ने बताया था, 2000 में हुए इस घटना के बाद उनकी जिंदगी से आत्मविश्वास नाम की चीज जा चुकी थी। ऐसे में उनके योग गुरुओं ने उन्हें योग के असल मायने समझाए। बताया कि ये केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने और आंतरिक स्व को जगाने का माध्यम है, जिससे जीवन के प्रति एक नया नजरिया मिला और उन्हें उबरने में काफी मदद मिली।

साल 2012 में रागेश्वरी ने सुधांशु स्वरुप से शादी की, जो पेशे से एक वकील हैं और लंदन में रहते हैं। रागेश्वरी केवल एक कलाकार ही नहीं, बल्कि एक प्रेरक वक्ता भी हैं। वह खुद को बेहतर करने के तरीके बताती हैं, महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर अक्सर अपने विचार रखती नजर आती हैं। उनकी प्रेरक बातें और सकारात्मक नजरिए ने लोगों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

सलाम वेंकी से सैयारा तक, अभिनेत्री अनीत पड्डा के अनकहे करियर की कहानी

जबकि सैयारा ने प्रतिक्रियाओं का एक मिश्रण पैदा किया है - इसके भावनात्मक आर्क की प्रशंसा से लेकर इसकी चर्चा पर संदेह तक - फिल्म के केंद्र में प्रतिभा से इनकार नहीं किया जा सकता है। अहान पांडे को सबसे ज्यादा सुर्खियाँ मिल रही हैं, लेकिन अनीत पड्डा चुपचाप अपनी स्क्रीन उपस्थिति और तेज अभिनय से सबका ध्यान आकर्षित कर रही हैं।

बहुत से लोग नहीं जानते कि सैयारा अभिनय में उनका पहला प्रयास नहीं है दूर-दूर तक नहीं! अक्टूबर 2002 में अमृतसर, पंजाब में जन्मी पड्डा की बड़ी स्क्रीन की यात्रा लाल कालीन और पोस्टर से बहुत पहले शुरू हुई थी। उन्होंने स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल में पढ़ाई की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज (जेएमसी) से मानविकी में डिग्री हासिल की। जेएमसी में उनका समय सिर्फ किताबों के बारे में नहीं था - व्याख्यानों के बीच, अनीत लगातार ऑडिशन दे रही थीं और खुद को वहां पेश कर रही थीं। बचपन से ही अभिनय के प्रति उनका जुनून हमेशा से ही सर्वोपरि रहा है।

सैयारा से बहुत पहले, पड्डा ने टेलीविजन विज्ञापनों के ज़रिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और अपनी भावपूर्ण ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से कास्टिंग निर्देशकों का ध्यान आकर्षित किया था। 2022 में, उन्होंने रेवती निर्देशित और काजोल अभिनीत सलाम वेंकी से बॉलीवुड में पदार्पण किया। यह एक छोटी सी भूमिका थी, लेकिन आलोचकों और अंदरूनी सूत्रों ने इस पर ध्यान दिया। उनकी यही प्रतिभा 2024 में और निखर कर सामने आई जब उन्होंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई में रूही आहूजा की भूमिका निभाई, जिसमें पूजा भट्ट और राइमा सेन के साथ उनकी जगह बनी।

मीटू को मजाक समझने वालों को तनुश्री दत्ता का करारा संदेश

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बताया कि उन्हें अपने ही घर में उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। रोते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि वह इस मामले में पुलिस से संपर्क कर रही हैं। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो सामने आने के बाद, एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता ने उनके दावों पर सवाल उठाया और कहा कि वह सुर्खियों में रहने के लिए ऐसा कर रही हैं।

टिप्पणी में लिखा था, मैं तनुश्री मैम की प्रशंसक हूँ, लेकिन इस बार, मुझे लगता है कि वह लाइमलाइट में रहना चाहती हैं। मैं गलत हो सकती हूँ, लेकिन ऐसा ही लगता है। क्षमा करें यदि मेरे शब्दों ने आपको ठेस पहुँचाई हो, लेकिन आपका वीडियो देखने के बाद मुझे यही महसूस हुआ। टिप्पणी का जवाब देते हुए, तनुश्री ने लिखा, सच में? आपकी प्रोफाइल देखी। आज ही यह टिप्पणी पोस्ट करने के लिए इंस्टा अकाउंट बनाया है। एक अन्य इंस्टाग्राम यूजर ने टिप्पणी की, नौटंकी करना बंद करो मैडम लोग जान गए हैं तुम्हारी असलियत।

घड़ी घड़ी ड्रामा करती हो। हम सब तुम्हारी थर्ड क्लास एक्टिंग से तंग आ चुके हैं। अगर तुम मुंबई में सुरक्षित नहीं हो तो वापस यूएसए चली जाओ और अगर कुछ भी सच है तो तुम अपनी जान जोखिम में क्यों डाल रही हो। नाना [पाटेकर] बॉलीवुड के महान इंसान और बेहतरीन अभिनेता हैं। उन्हें बदनाम करने की कोशिश मत करो मैडम अगर काम नहीं मिल रहा तो ये सब करके भी कुछ काम नहीं मिलेगा बॉलीवुड में। सब जान गए हैं तुम्हें।

वीडियो में तनुश्री ने बताया कि वह लगातार हो रहे उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं और मजबूरन उन्हें पुलिस में मामला ले जाना पड़ रहा है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, मैं इस उत्पीड़न से तंग आ चुकी हूँ! यह 2018 से चल रहा है #metoo आज तंग आकर मैंने पुलिस को फोन किया। प्लीज कोई मेरी मदद करो! इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, कुछ करो।

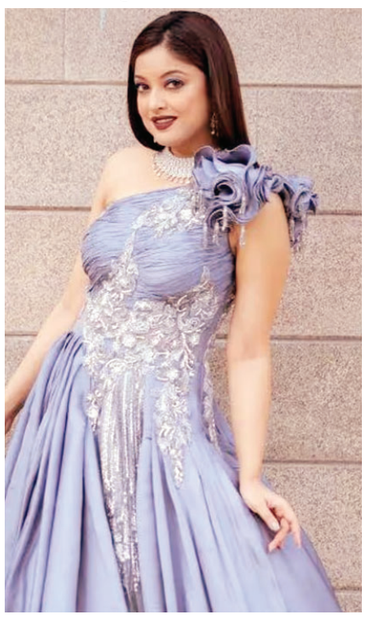

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा का कहना है कि पिता की मृत्यु के बाद वह 'उठ रही हैं'

अपने पिता रमन राय हांडा के निधन से उबर रही अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने कहा कि कई शांत दिनों के बाद, आखिरकार उन्होंने तैयार होने के लिए एक पल निकाला। मन्नारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कार से ली गई सेल्फी शेयर कीं। इसमें अभिनेत्री कैमरे की तरफ देखती और हल्के से मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही थीं।

क्रॉली ने की पंत की तारीफःबोले-एक पैर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं

ऋषभ पंत का साहसिक अर्धशतक भारतीय पारी 358 रन पर सिमटी

मैनचेस्टर

ऋषभ पंत ने चोटिल होने के बावजूद मैदान पर उतरते हुए साहसिक अर्धशतक जड़ा लेकिन भारत की पहली पारी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन गुरूवार को दूसरे सत्र में 358 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 72 रन देकर पांच विकेट और जोफ्रा आर्चर ने 73 रन पर तीन विकेट लिए। जवाब में खेलते हुए इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 225 रन बना लिए हैं। स्टंप्स के समय ओली पोप 20 और जो रूट 11 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। फिलहाल इंग्लैंड भारत से 133 रन पीछे है। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने इंग्लैंड को पहली पारी में शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई, जिसे रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने क्रॉली को अपना शिकार बनाया। वह 113 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अपने टेस्ट करियर का पहला मुकाबला खेल रहे अंशुल कंबोज ने बेन डकेट को पवेलियन की राह दिखाई। डकेट 13 चौके की मदद से 94 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, वह छह रन से अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दिन का खेल समाप्त होने तक ओली पोप 42 गेंदों में 20 और जो रूट 27 गेंदों में 11 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं।

इसके पहले भारत ने दूसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और ऋषभ पंत के साहस की बदौलत 350 से अधिक का स्कोर खड़ा कर लिया। भारत का इस सीरीज़ में ये छठा 350+ स्कोर है और एक सीरीज में टीम इंडिया की तरफ से ये सर्वाधिक है। भारत ने पहले दिन के चार विकेट पर 264 रन से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में भारत ने पहले दिन के स्कोर में मात्र दो रन जोड़े थे कि इंग्लैंड ने नई गेंद जोफ्रा आर्चर को थमाई और उन्होंने रवींद्र जडेजा को अपना शिकार बना लिया। रवींद्र जडेजा ने 40 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 20 रन बनाये।

भारत का दिन का दूसरा विकेट शार्दुल ठाकुर के रूप में गिरा। उन्हें बेन स्टोक्स ने गली में खड़े बेन डकेट के हाथों कैच आउट कराया। शार्दुल ठाकुर ने 88 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 41 रनों की पारी खेली। शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद चोटिल ऋषभ पंत एक बार फिर से मैदान में थे । पंत ने लंच के बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। वाशिंगटन सुन्दर 90 गेंदों में 27 रन बनाकर स्टोक्स का शिकार बने। पदार्पण मैच खेल रहे अंशुल कम्बोज को स्टोक्स ने खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। आर्चर ने पंत और बुमराह के विकेट लेकर भारत की पारी 358 रन पर समेट दी। पंत ने 75 गेंदों पर 54 रन की पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाए।

ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे

ऋषभ पंत के जज्बे को सलाम, जो ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के दूसरे दिन शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए। पंत के पैर में पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पर चोट लगी थी जिसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। 68वें ओवर में पंत को रिवर्स स्वीप करने के दौरान पैर में चोट आई थी। जानकारी के मुताबिक उनके पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया है और उन्हें ठीक होने में छह हफ्ते का समय लग सकता है।दूसरे दिन जब भारत का छठा विकेट गिरा तो पंत उसी चोट के साथ बल्लेबाजी करने आए। पंत के जज्बे को देखकर ओल्ड ट्रैफर्ड में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर पंत के हौसले को सलाम किया। साथ ही साथ इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भी पंत की इस दिलेरी के लिए उनका अभिवादन किया।

सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड में जीत की सराहना की

नयी दिल्ली

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड में टी-20 और वनडे में सीरीज जीत की सराहना की है।

सचिन ने कहा, इंग्लैंड में जीतना हमेशा एक चुनौती होती है, और टी-20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता को दर्शाता है। भारत ने टी20 सीरीज 3-2 से और वनडे सीरीज 2-1 से जीतकर इतिहास बनाया।

पहले टी-20 मैच में स्मृति के शतक ने दौरे की शुरुआत में ही लय बना दी थी। आखिरी वनडे में हरमनप्रीत के शतक ने उस लय को और मजबूत किया। क्रांति गौड़ ने दबाव की स्थिति में छह विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की। अन्य खिलाड़ियों ने भी अपनी भूमिका निभाई और दोनों सीरीज में अहम मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया।

सचिन ने कहा,ये प्रदर्शन टीम को आगे बढ़ने के लिए काफी आत्मविश्वास देंगे। दो विश्व कप सामने होने के कारण, यह टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए बेहद ज़रूरी होगा। शाबाश टीम इंडिया।

एशियाई क्रिकेट परिषद की वार्षिक आम बैठक स्थगित

ढाका

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की गुरुवार को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में एशिया कप 2025 पर कोई औपचारिक फैसला नहीं हुआ और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाने के कारण इसे स्थगित कर दिया। पीसीबी और एसीसी प्रमुख मोसिन नकवी ने बैठक के बाद कहा, एशिया कप के बारे में फैसला जल्द ही लिया जाएगा। आयोजन स्थल और कार्यक्रम की भी घोषणा की जाएगी। उम्मीद है कि नकवी की अध्यक्षता वाली एसीसी को एशिया कप और चुनाव का आयोजन बीसीसीआई के रुख के अनुरूप करना होगा। चुनाव किसी अलग स्थान और अलग तारीख पर होंगे। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया।नकवी ने कहा, कई देश ढाका नहीं आ पाए, ऐसा हर बार होता है। मैं (पहले) सिंगापुर नहीं जा पाया था। यह एक सामान्य बात है अधिकतर सदस्य आते हैं और कुछ अपने कार्यक्रम के कारण नहीं भी आ पाते। लेकिन इस बैठक में हमारे सभी 25 सदस्यों (शारीरिक और ऑनलाइन दोनों) ने भाग लिया। बैठक में शामिल हुए सूत्रों ने बताया, हम यह तो नहीं कह सकते कि यह निश्चित रूप से होगा, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि यह नहीं होगा। बीसीसीआई व्यावसायिक साझेदारों के साथ मुद्दों को सुलझा रहा है और इसमें कुछ समय लग सकता है। इस टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान भाग लेंगी। टूर्नामेंट 10 सितंबर से 28 सितंबर तक आयोजित किया जा सकता है, लेकिन संभावना है कि यह कुछ दिन पहले भी शुरू हो सकता है। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान है, लेकिन यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा जबकि दुबई और अबु धाबी इसकी मेजबानी करेंगे।

भारत का पहली बार फिडे महिला शतरंज विश्व कप खिताब जीतना तय

बातुमी (जॉर्जिया)

भारत का पहली बार फिडे महिला शतरंज विश्व कप खिताब जीतना तय हो गया है। शनिवार को दो भारतीय महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी और दिव्या देशमुख फाइनल में आमने-सामने होंगी। हंपी ने गुरुवार को सेमीफाइनल में चीन की टिंगजी लेई को टाईब्रेकर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पराजित किया। इससे भारत का विश्व चैंपियन बनने का सपना साकार हो गया। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी को 101 चाल में शिकस्त देकर फिडे महिला शतरंज विश्वकप के फाइनल मुकाबले में जगह बना ली और इसी के साथ दिव्या देशमुख और कोनेरू हंपी ने अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। दिव्या देशमुख ने पूर्व विश्व चैंपियन चीन की झोंगयी टैन को 1.5-0.5 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

त्रिकोणीय श्रृंखला : छठवां मुकाबला

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 60 रनों से हराया

हरारे

टिम सीफर्ट (75) और रचिन रविंद्र (63) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों के बाद ईश सोढ़ी (12 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के छठे मुकाबले में जिम्बाब्वे को 60 रनों से हरा दिया। शनिवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के साथ होगा। 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की डिओन मेयर्स और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 21 रन जोड़े। तीसरे ओवर में सोढ़ी ने ब्रायन बेनेट (एक) को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सोढ़ी ने क्लाइव मडांडे (दो), डिओन मेयर्स (22) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान सिकंदर रजा (नौ) को मैट हेनरी ने पगबाधा और रायन बर्ल (पांच)को माइकल ब्रेसवेल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद टोनी मुनयोंगा और ताशिंगा मुसेकिवा जिम्बाब्वे की पारी को संभालते हुए 95 के स्कोर तक ले गये। 14वें ओवर में सोढ़ी ने टोनी मुनयोंगा (40) को आउट कर जिम्बाब्वे की उम्मीदों को झटका दिया। वेलिंग्टन मसाकाट्जा दो और ताशिंगा मुसेकिवा 21 रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड ने 18.5 ओवर में जिम्बाब्वे को 130 के स्कोर पर समेट कर 60 रनों से मुकाबला जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से ईश सोढ़ी ने 12 रन देकर चार विकेट लिये। मैट हेनरी को दो विकेट मिले। जैकरी फॉक्स , विलियम ओरूर्क और माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले न्यूजीलैंड टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने तीसरे ही ओवर में टिम रॉबिंसन (10) का विकेट गंवा दिया। उन्हें रिचर्ड एन्गरावा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने टिम सीफर्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी की। टी मपोसा ने 14वें ओवर में रचिन रविंद्र को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 63 रन बनाये। इसी ओवर में मपोसा ने मार्क चैपमैन (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड का चौथा विकेट टिम सीफर्ट के रूप में 153 के स्कोर पर गिरा। टिम सीफर्ट ने 45 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 75 रनों की पारी खेली। उन्हें रिचर्ड एन्गरावा ने आउट किया।बेवन जैकब्स (शून्य) और कप्तान मिचेल सैंटनर (सात) को रिचर्ड एन्गरावा ने अपना शिकार बनाया। न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गरावा ने 34 रन देकर चार विकेट लिये। टी मपोसा को दो विकेट मिले।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के महान खिलाड़ी हल्क होगन का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली

महान अमेरिकी रेसलर हल्क होगन का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 71 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। 11 अगस्त 1953 को जॉर्जिया के ऑगस्टा में जन्में हल्क पेशेवर कुश्ती के इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित शख्सियतों में से एक थे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई ने जताया दुख

हल्क होगन के निधन की जानकारी देते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई ने ट्वीट किया। इसमें लिखा गया, डब्ल्यूडब्ल्यूई को यह जानकर दुख हुआ है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर हल्क होगन का निधन हो गया है।

श्रेयंका और प्रिया हुईं भारत ए के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर

मुंबई

श्रेयंका पाटिल और प्रिया मिश्रा भारत ए के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। जैसा कि 10 जुलाई की पूर्व मीडिया विज्ञप्ति में बताया गया था, उनकी भागीदारी फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर थी। दोनों खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और वर्तमान में अपने वापसी-टू-प्ले प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं। भारत ए को सात से 21 अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन टी20, तीन 50 ओवर के मैचों और चार दिवसीय लाल गेंद के मैच वाली एक बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलनी है। महिला चयन समिति ने तीनों प्रारूपों में धारा गुज्जर (पहले एकदिवसीय और बहु-दिवसीय टीमों में नामित) और प्रेमा रावत (पहले टी20 टीम का हिस्सा) को शामिल किया है। समिति ने यास्तिका भाटिया को भी एकदिवसीय टीम में शामिल किया है।

भारत ए की ताजा टी20 टीमः राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, डी. वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, तितास साधु, धारा गुज्जर।

भारत ए की ताजा वन-डे टीमः राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसब्निस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, तितास साधु, प्रेमा रावत, यास्तिका भाटिया

भारत ए की ताजा मल्टी-डे टीमः राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसब्निस, राघवी बिष्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेट कीपर), तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेट कीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, तितास साधु, प्रेमा रावत।

अगले साल सीमित ओवर सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत अगले साल सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा जिसमें पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। भारत का दौरा एक जुलाई को डरहम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जिसके बाद मैनचेस्टर (चार जुलाई), नॉटिंघम (सात जुलाई), ब्रिस्टल (नौ जुलाई) और साउथम्प्टन (11 जुलाई) में मैच खेले जाएंगे।दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। इसके बाद 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम भी अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगी। वह इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज और एक टेस्ट मैच खेलेगी। टी20 श्रृंखला 28 मई को चेम्सफोर्ड में शुरू होगी। उसके बाद 30 मई को ब्रिस्टल और दो जून को टॉन्टन में मैच खेले जाएंगे। एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम दो टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी भी करेगी, जबकि हैरी ब्रूक की सीमित ओवरों की टीम वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के अलावा श्रीलंका की मेजबानी करेगी।

चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट

17 साल की उन्नति से हारीं पीवी सिंधू, सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में,एचएस प्रणय भी हारे

चांग्झू

उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधू को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधू सात साल में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी। इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए।

महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार फाइनल में पहुंचा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा।दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी।

तीसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 74 रनों से हराया

ढाका

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस टी20 मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने बांग्लादेश को 74 रनों से हरा दिया हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश की टीम ने 2-1 से सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया है। इस रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस गवांने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम का आगाज धमाकेदार रहा और पहले विकेट के लिए दोनों सलामी बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बोर्ड पर जड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 178 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सबसे ज्यादा 63 रनों की शानदार पारी खेली। इस बेहतरीन पारी के दौरान साहिबजादा फरहान ने 41 गेंदों पर छह चौके और पांच छक्के लगाए। साहिबजादा फरहान के अलावा हसन नवाज ने 33 रन बनाए। दूसरी तरफ, बांग्लादेश की टीम को नसुम अहमद ने पहली बड़ी कामयाबी दिलाई। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए. तस्कीन अहमद के अलावा नसुम अहमद ने दो विकेट चटकाए। बांग्लादेश की टीम को यह मुकाबला जीतने के लिए 20 ओवर में 179 रन बनाने थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम का आगाज निराशाजनक रहा और महज 41 रन के स्कोर पर टीम के सात बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। बांग्लादेश की पूरी टीम 16.4 ओवर में महज 104 रन बनाकर सिमट गई। बांग्लादेश की तरफ से मोहम्मद सैफुद्दीन ने सबसे ज्यादा नाबाद 35 रनों की धुआंधार पारी खेल। इस धमाकेदार पारी के दौरान मोहम्मद सैफुद्दीन ने 34 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाए। मोहम्मद सैफुद्दीन के अलावा मोहम्मद नईम और मेहदी हसन मिराज ने 10-10 रन बटोरे। वहीं, पाकिस्तान की ओर से सलमान मिर्जा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए। फहीम अशरफ और मोहम्मद नवाज ने दो-दो विकेट चटकाए।

रोचक ड्रॉ मुकाबले में आयुष म्हात्रे ने लगाया तूफानी शतक

चेम्सफोर्ड

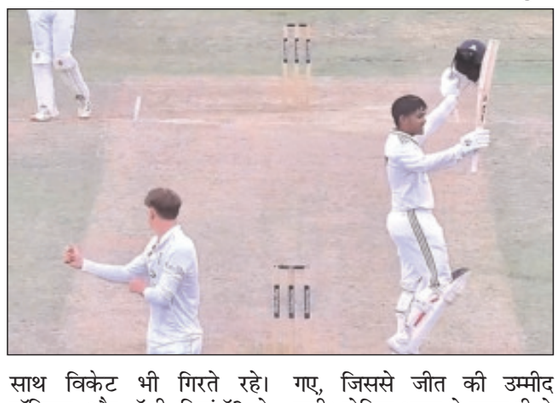

इंग्लैंड अंडर-19 और भारत अंडर-19 के बीच चेम्सफोर्ड में खेला गया दूसरा यूथ टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया। बेन डॉकिन्स ने शतक लगाया और एडम थॉमस के साथ 188 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इंग्लैंड ने मध्यक्रम के आक्रामक प्रदर्शन के दम पर 5 विकेट पर 324 रन बनाकर पारी घोषित कर एक असंभव जीत की उम्मीद जगाई। लेकिन आयुष म्हात्रे के शतक ने वह उम्मीद खत्म कर दी। मैच में इंग्लिश स्पिनर राल्फी अल्बर्ट ने 10 विकेट लिए और दो मैचों की सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। पिच से गेंदबाजों को मदद न मिलने के कारण इंग्लैंड के ओपनरों ने वहीं से शुरुआत की, जहां उन्होंने पिछली पारी में छोड़ी थी। डॉकिन्स ने दिन के चौथे ओवर में फ्लिक पर दो रन लेकर अर्धशतक पूरा किया। थॉमस ने 91 रन बनाकर डॉकिन्स का अच्छा साथ दिया और पहले घंटे में ही इंग्लैंड ने 200 रन की बढ़त ले ली, जबकि भारतीय गेंदबाज संघर्ष करते रहे। भारत के पास एक मौका था, जब दोनों ओपनर नर्वस नाइंटीज में थे, लेकिन कवर की ओर तेज सिंगल लेते समय डॉकिन्स रन आउट से बच गए। लंच से पहले आदित्य रावत ने ब्रेकथ्रू दिलाया, जब थॉमस कैच एंड बोल्ड होकर शतक से चूक गए। डॉकिन्स ने लंच से पहले कवर ड्राइव से चौका लगाकर शानदार शतक पूरा किया, हालांकि पिछली ही गेंद पर वही शॉट खेलते हुए वह लगभग आउट हो गए थे। बेन मेज ने आक्रामक रुख अपनाया लेकिन रावत ने उन्हें सिर्फ 11 रन पर आउट कर दिया, जब एक लीडिंग एज सीधा हेनिल पटेल के हाथों में गया। जैसे-जैसे इंग्लैंड की बढ़त 250 पार हुई, डॉकिन्स और थॉमस रियू ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन रावत ने कप्तान रियू को 19 रन पर बोल्ड कर दिया। रनों के साथ-साथ विकेट भी गिरते रहे। डॉकिन्स और रॉकी फ्लिंटॉफ? ने बाउंड्री की झड़ी लगाई लेकिन दोनों डीप में कैच आउट हो गए। इसके बाद आर्यन सावंत और एकांश सिंह ने भी कुछ छक्के लगाए। इंग्लैंड ने 5 विकेट पर 324 रन बनाकर पारी घोषित की और भारत को 65 ओवर में 355 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड को पहली ही गेंद पर सफलता मिली जब एलेक्स ग्रीन की गेंद पर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बोल्ड हो गए, जिससे जीत की उम्मीद जगी। लेकिन भारत ने जल्द ही ये उम्मीदें खत्म कर दीं। जहां विहान मल्होत्रा टिके रहे, वहीं म्हात्रे ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। जब म्हात्रे 54 रन पर थे, तब लॉन्ग ऑन पर अल्बर्ट ने उनका कैच छोड़ दिया, जो निर्णायक साबित हो सकता था। इस समय तक आसमान में बादल छा रहे थे और फ्लड लाइट जल चुकी थीं। अल्बर्ट ने मल्होत्रा को आउट कर उस चूक की भरपाई की, जिससे भारत का स्कोर दो विकेट पर 100 रन हो गया। भारत को भी थोड़ी जीत की उम्मीद हुई जब अभिज्ञान कुंडू ने ब्रेक के बाद पहली ही दो गेंदों पर दो छक्के लगाए और रन रेट के अनुसार आगे बने रहे। म्हात्रे ने भी लय बनाए रखी और अपने पहले जीवनदान का फायदा उठाते हुए सिर्फ 64 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया। कुंडू भी तेजी से खेलते रहे और चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। उनका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर रहा। आखिरकार म्हात्रे 126 रन पर लॉन्ग ऑन पर कैच हो गए। इसके बाद कुंडू स्लिप में कैच हो गए और राहुल कुमार ने गेंद सीधे मेज को थमा दी, जिससे इंग्लैंड को फिर से वापसी का मौका मिला। हालांकि भारत के निचले क्रम ने धैर्य दिखाया और जब हल्की बूंदाबांदी के कारण खेल रुका तो अंपायरों ने मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)